केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 291 बुधवार 15 मई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

अवैध कच्ची शराब बरामद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। छावनी थानाक्षेत्र के छतौना माझा में मंगलवार की सुबह आबकारी की प्रवर्तन टीम एवं चौकी प्रभारी विक्रमजोत रितेश कुमार सिंह की संयुक्त टीम ने छितौना गांव के दक्षिण दिशा में नदी के किनारे दबिश दिया गया। दबिश के दौरान 40 लीटर अवैध कच्ची शराब व लगभग 950 किलोग्राम लहन जो कि पानी के अंदर रखा हुआ व जमीन के अन्दर बरामद कर मौके पर लहन को नष्ट करते हुए व 3 भठियों को तोड़ते हुए अबैध शराब बनाने के उपकरणों को कब्जे में लेकर आबकारी अधिनियम के अंतर्गत 02 अभियोग पंजीकृत किया।

फंदे से लटकता मिला युवक का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली थानाक्षेत्र के दौलतपुर गांव में सोमवार की सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब तीन दिनों से बंद एक घर में युवक का शव फंदे से लटकता मिला। उसकी पत्नी बच्चों के साथ एक माह पूर्व अपने मायके चली गई थी। तेज दुर्गन्ध आने पर पड़ोसियों को शक हुआ और सूचना परिजनों को दी। दरवाजा तोड़कर घरवाले अंदर गए तो घटना की जानकारी हुई। पुलिस ने मृतक प्रदीप शर्मा (33) पुत्र बाबूलाल के शव को कब्जे में ले लिया। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। कोतवाल विजय दुबे का कहना है कि मामला आत्महत्या का ही लग रहा है। वजह की पड़ताल की जा रही है।

दौलतपुर निवासी प्रदीप शर्मा बिजली मैकेनिक का काम करता था। उसके पिता बाबूलाल उससे अलग गांव के चौराहे पर रहते हैं और आटा चक्की की दुकान चलाते हैं। प्रदीप अपनी पत्नी व दो बच्चों संग रहता था। बताया जा रहा है कि करीब एक माह पूर्व प्रदीप की पत्नी बच्चों के साथ गौरा गनेशपुर स्थित अपने मायके गई थी। बीते तीन दिनों से प्रदीप की बाइक दौलतपुर चौराहे पर ही खड़ी थी, जबकि वह किसी को नजर नहीं आया तो सोचा कि कहीं बाहर गया होगा। सोमवार को उसके घर से तेज दुर्गन्ध आने पर घटना की जानकारी हो सकी। पुलिस के अनुसार शव दो से तीन दिन पुराना लग रहा है। छानबीन की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थिति में किशोरी की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

विक्रमजोत (बस्ती) । छावनी थाना क्षेत्र के संदलपुर गांव में बीती रात मंगलवार को 17 वर्षीय दिव्यांशी पुत्री उदयनरायन सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। दिव्यांशी दो बहन दो भाई है और इंटर की छात्रा थी। परिजनों की माने तो काफी दिनों से तबीयत खराब होने के कारण दवा चल रही थी। देर रात खाना खा कर अपने कमरे में सोने चली गयी थी। सुबह अपने कमरे मे मृत अवस्था में मिली ।इस सम्बन्ध में चौकी प्रभारी विक्रमजोत रितेश कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में नहीं है।

खैराटी के कार्यवाहक ग्राम प्रधान का निधन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती) । विकास खण्ड बनकटी के ग्राम प्रधान खैराटी के कार्यवाहक ग्राम प्रधान राम सुरेश शुक्ला 80 वर्षीय गाँव कनेहटी का सोमवार देर शाम निधन हो गया।जानकारी के अनुसार विगत सितंबर माह में युवा प्रधान अखिलेश शुक्ला 30 वर्ष के असामयिक निधन के कारण वह कार्यवाहक ग्राम प्रधान बने थे परिवार के सदस्यों का रो रो कर बुरा हाल है

पीएम मोदी के नामांकन में नेताओं की जुटान

वाराणसी (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव–2024 के लिए मंगलवार को वाराणसी से तीसरी बार नामांकन किया। पुष्य नक्षत्र में उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में पर्चा दाखिला किया। इसके पूर्व गंगा सप्तमी पर मां गंगा को नमन करने के उपरांत प्रधानमंत्री काशी कोतवाल काल भैरव के दर पर पहुंचे थे। वहां उनसे अनुमति–आशीर्वाद लेकर नामांकन किया। काल–भैरव मंदिर में पूजन और कलेक्ट्रेट में नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी साथ रहे।

मंगलवार को गंगा सप्तमी के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री ने मंगलवार सुबह सबसे पहले दशाश्वमेध घाट पर गंगा पूजन किया। काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सदस्य के वेंकट रमन घनपाठी ने गंगा पूजन कराया। गंगा पूजन कराने वालों में तीन पुजारी तमिलनाडु व एक–एक पुजारी आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र के रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री स्वामी विवेकानंद क्रूज पर दशाश्वमेध घाट से गंगा विहार करते हुए आदिकेशव घाट तक गए, फिर नमो घाट उतरे।

नमो घाट से प्रधानमंत्री सीधे काशी के कोतवाल काल भैरव बाबा के दर्शन–पूजन व आरती करने पहुंचे। यहां उन्होंने बाबा से अनुमति व आशीर्वाद लिया, फिर कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां तीसरी बार काशी से तीसरी बार नामांकन किया। मंदिर गेट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम को अंगवस्त्र भेंट किया और आमजन ने पुष्पवर्षा की। काल भैरव मंदिर में पूजन के दौरान पीएम के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री के नामांकन में चार प्रस्तावक शामिल रहे। इसमें गणेश्वर शास्त्री द्रविड़, बैजनाथ पटेल, लालचंद कुशवाहा व दलित समाज के संजय सोनकर रहे। गणेश्वर शास्त्री ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकाला था, जबकि बैजनाथ पटेल जनसंघ के समय के कार्यकर्ता हैं।

पीएम के नामांकन कार्यक्रम में कलेक्ट्रेट में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, असम के सीएम हेमंता विश्व सरमा, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, छत्तीसगढ़ के विष्णु देव साय, मध्य प्रदेश के मोहन यादव, राजस्थान के भजनलाल शर्मा, महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे, हरियाणा के नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले, हरदीप पुरी, पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, लोजपा प्रमुख चिराग पासवान, जीतन राम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा, यूपी में एनडीए के घटक लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी, अपना दल (एस) अनुप्रिया पटेल, निषाद पार्टी के संजय निषाद, सुभासपा के ओमप्रकाश राजभर, पशुपति पारस आदि की मौजूदगी रही।

वाराणसी से नामांकन नहीं कर पाये कामेडियन श्याम रंगीला

वाराणसी (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने वाराणसी लोकसभा सीट से नामांकन फार्म भरने की कोशिश कर रहे स्टैंडअप कामेडियन श्याम रंगीला अंतिम दिन भी कामयाब नहीं हो सके। कलक्ट्रेट गेट पर श्याम रंगीला, दुबई से आए एनआरआई इकबाल समेत 50 से अधिक लोगों ने फार्म जमा नहीं होने पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र के नामांकन से पहले अंदर जाने की कोशिश की। इसके बाद मोदी के नामांकन के बाद भी कोशिश की। मोदी के नामांकन के बाद जैसे ही सुरक्षा व्यवस्था हटी, सभी नामांकन दाखिल करने के लिए कलक्ट्रेट गेट पर पहुंचे। इस पर गेट बंद कर दिया गया।

इसके बाद सभी गेट पर प्रदर्शन करने लगे। श्याम रंगीला ने बताया कि वह सुबह सवा नौ बजे पहुंचे थे। उनके समेत सभी को दोपहर बाद आने को कहा गया। अब यहां आने के बाद अंदर जाने नहीं दिया जा रहा।

पीठासीन अधिकारियों के प्रशिक्षण का प्रेक्षक ने किया निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 के लिए नियुक्त पीठासीन/ मतदान अधिकारियों का प्रथम प्रशिक्षण शिवहर्ष उपाध्याय किसान इण्टर कालेज एवं शिवहर्ष किसान डिग्री कालेज में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में दोनों पाली में कुल 1274 लोंगो को प्रशिक्षित किया गया तथा कुल 5 लोंग अनुपस्थित पाये गये। सामान्य प्रेक्षक श्रीमती बबिता ने चल रहे प्रशिक्षण का जायजा लिया और कहा कि मतदान प्रकिया को कुशलतापूर्वक समन्न कराने के लिए पीठासीन व मतदान अधिकारी की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

उन्होने कहा कि सभी पीठासीन और मतदान अधिकारी मतदान प्रक्रिया विशेषकर ईवीएम संचालन से संबंधित तकनीकी जानकारी में भलीभॉति दक्षता प्राप्त कर लें। उन्होने मास्टर ट्रेनर को निर्देश दिया कि प्रशिक्षण की गुणवत्ता को परखने के लिए बीच–बीच में कार्मिको से सवाल–जवाब भी किया जाय। उन्होने पोस्टल बैलेट/ईडीसी से मतदान काउंटर का भी जायजा लिया और जानकारी प्राप्त करते हुए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया।

सीडीओ जयदेव सीएस ने कहा कि प्रशिक्षण में अनुपस्थित कार्मिको का वेतन बाधित करते हुए उनके विरूद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की सुसंगत धाराओं में कठोर कार्यवाही की जायेंगी। इस दौरान पीडी राजेश झा, डीसी मनरेगा संजय शर्मा, भूमि संरक्षण अधिकारी डा. राजमंगल चौधरी, प्रशिक्षण अधिकारी विजय यादव सहित संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जमीन को लेकर दो भाईयों में मारपीट

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज थानाक्षेत्र के सरैया गांव में जमीन बंटवारे को लेकर दो भाइयों में मारपीट हो गई। पुलिस को दी तहरीर में उदयशंकर ने बताया कि पारिवारिक बंटवारे में वादी के हिस्से में मिली जमीन में विपक्षी बढ़कर सीमेंटेड खंभा लगा रहे थे। जब मैंने मना किया तो मेरे साथ गालीगलौज करते हुए मारपीट करने लगे। बचाने आई वादी की पुत्री अनीता को कृपाशंकर ने लोहे के सब्बल से मार दिया। वादी की बेटी के सिर में गंभीर चोट लगी और वह बेहोश हो गई। पुलिस ने उदयशंकर निवासी सरैया की तहरीर पर भाई कृपाशंकर, भतीजा सुनील कुमार, मिशला देवी पत्नी सुनील कुमार व भाई रामनरेश के खिलाफ जानलेवा हमला करने व मारपीट करने का केस दर्ज किया है।

नये फीडर से विद्युत आपूर्ति शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हथियागढ़ फीडर से जुड़े बिजली उपभोक्ताओं को नौ साल के लंबे इंतजार के बाद लो वोल्टेज की समस्या से राहत मिल गई। हथियागढ़ फीडर से करीब 3.5 हजार उपभोक्ताओं को अलग करने का कार्य पूरा हुआ। यह उपभोक्ता अब शहर के नवनिर्मित फीडर पटेल चौक से जोड़े गए हैं। अधिशासी अभियंता नगरीय क्षेत्र मनोज कुमार सिंह ने बताया कि नए फीडर से बिजली आपूर्ति शुरू कर दी गई है।

पुरानी बस्ती उपकेंद्र से हथियागढ़ फीडर को बिजली की आपूर्ति होती है। इस फीडर से तमाम व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को बिजली मिलती है। फीडर पर छह हजार से अधिक उपभोक्ताओं का भार होने के कारण गर्मी में लो वोल्टेज और बार–बार फॉल्ट आने की समस्या से उपभोक्ता लंबे समय से परेशान थे। वर्ष 2016 में निगम ने हथियागढ़ फीडर से 3000 से ज्यादा उपभोक्ताओं को अलग कर नया फीडर बनाया, लेकिन यह चालू नहीं हो पाया। इन नौ वर्षों में शहर का दायरा बढ़कर पटेल चौक तक पहुंच गया। इसे चालू कराने में विभाग को 18.54 लाख रुपये अतिरिक्त खर्च कर दो किलोमीटर लाइन बनानी पड़ी। अधिशासी अभियंता ने बताया कि यह फीडर पटेल चौक के नाम से जाना जाएगा।

2024 में चल रही है मोदी की सुनामी- केशव प्रसाद मौर्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

गौर (बस्ती)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को भाजपा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। उनके निशाने पर सपा, बसपा और कांग्रेस रही। केशव प्रसाद ने अखिलेश यादव पर भी तंज कसा। कप्तानगंज विधानसभा के शिवपुर में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्षी गठबंधन में शामिल सपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कल्याण सिंह के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित करने न आने वाले सपा मुखिया अखिलेश यादव माफिया मुख्तार अंसारी की कब्र पर फातिहा पढ़ने चले गए। उन्होंने कहा कि सपा अपराध और भ्रष्टाचार पैदा करने की फैक्टरी है, जबकि हमने फैक्टरियां लगाकर युवाओं को रोजगार दिए। मंगलवार दोपहर करीब एक बजे आए उपमुख्यमंत्री ने मंच पर आने के बाद हाथ हिलाकर जनता का अभिवादन किया। उन्होंने डबल इंजन की सरकार की योजनाओं को गिनाते हुए सपा पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की नीति बांटकर राज करने की है। सपा समाप्तवादी पार्टी बनकर रह गई तो कुछ लोगों को टिकट देकर हमारे परिवार को बांटने की कोशिश की है। 2014 में लहर 2019 में अंधी तो 2024 में सुनामी है मोदी के नाम की।

केशव प्रसाद ने आगे कहा कि सपा अपराधियों, गुंडा, दंगाइयों और भ्रष्टाचार को पैदा करने की फैक्टरी है। वह ऐसी फैक्टरी चलाते हैं, जहां कट्टा और बम बनाने का काम होता है, जबकि भाजपा बड़ी फैक्टरी लगाकर रोजगार देती है। बसपा, कांग्रेस और सपा आईसीयू में पड़े हैं। इन्हें ऑक्सीजन की जरूरत है। सपा सांपनाथ, बसपा नागनाथ और कांग्रेस कालियानाथ है। ये तीनों प्रधानमंत्री को कुर्सी से हटाने का सपना देख रहे हैं। सपने में देख रहे कि तोड़फोड़ कर सरकार बना लेंगे तो राममंदिर की जमीन पर बाबरी मस्जिद बना देंगे।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का सपा ने निमंत्रण ठुकरा दिया। किसी ने राम को काल्पनिक बताया तो किसी ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाईं। जो प्राण–प्रतिष्ठा का निमंत्रण ठुकरा सकते हैं, वे मुस्लिम तुष्टीकरण कर अपनी पार्टी का नाम मुस्लिम लीग रख लें।

सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा कि वर्ष 2024 का चुनाव देश को सौ साल आगे लेकर जाने वाला है। विकसित भारत बनेगा तो देश तरक्की करेगा। यही मोदी की गारंटी है। बोले–भारत को अमेरिका से पहले विकसित होना चाहिए था, लेकिन पूर्व की सरकारों को कुर्सी से प्रेम था। उन्हें जनता से मोह नहीं था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर विधायक अजय सिंह, पूर्व विधायक रवि सोनकर, चन्द्र प्रकाश शुक्ल, दयाराम चौधरी, संयोजक दुष्यंत विक्रम सिंह, सुखराम गौड़, विपिन शुक्ल, प्रमोद कुमार गिल्लम चौधरी, यशकांत सिंह, सुशील सिंह, राना नागेश प्रताप सिंह, विवेक चौधरी, उमाशंकर पटवा, सेतभान राय, केडी चौधरी, वरुण पाण्डेय, विजय गुप्ता, सिंकू सिंह, गौरव मणि त्रिपाठी, मनोज पाठक सहित वरिष्ठ कार्यकर्ता आदि मौजूद रहे।

दिल्ली के आयकर विभाग दफ्तर में लगी आग, एक अधिकारी की मौत

नई दिल्ली (आभा)। राष्ट्रीय राजधानी में स्थित इंकम टैक्स कार्यालय में बड़ी आग लग गई। आयकर विभाग का भवन दिल्ली पुलिस मुख्यालय के पीछे स्थित है। बताया जा रहा है कि दमकल विभाग की कुल 21 गाड़ियां मौके पर आग बुझाने के लिए पहुंची थीं। इस आगजनी में 46 साल के एक अधिकारी की मौत हो गई है। यह आग कैसे लगी? अभी इसके बारे में कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है। दिल्ली पुलिस की तरफ से कहा गया है कि इस भवन से सात लोगों को रेस्क्यू किया गया है।

सीआर बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर आग लगने की सूचना मिली थी। दमकल विभाग और पुलिस की टीम को मौके पर भेजा गया था। इसके बाद आग पर काबू पाया गया है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि 46 साल के शख्स अचेत अवस्था में पाए गए और अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। वो ऑफिस सुपरिटेन्डेन्ट के तौर पर काम कर रहे थे।

एक वीडियो सामने आया है कि यहां फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौजूद हैं। स्थानीय पुलिस के साथ–साथ कुछ लोग भी वहां नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस बिल्डिंग में जो लोग फंसे हुए थे उनको सीढ़ी के जरिए निकाला गया है। फायर कर्मियों को इस आग पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी है।

दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारियों ने कहा, 'हमें दोपहर करीब 3.07 बजे आईटीओ स्थित इंकम टैक्स दफ्तर सीआर बिल्डिंग में आग लगने की सूचना मिली थी। हम वहां दमकल की कुल 21 गाड़ियां लेकर पहुंचे। हमने इस मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस को भी दी ताकि मामले की जांच की जा सके और कानून–व्यवस्था को काबू में रखा जा सके।श सोशल मीडिया पर सामने आए कुछ वीडियो में नजर आ रहा है कि आग से बचने के लिए कुछ लोग खिड़की के पास जा रहे हैं।

कम नामांकन पर 4 हजार शिक्षकों, कर्मचारियों का वेतन रोके जाने का मामला गरमाया

–वेतन जारी न हुआ तो होगा आन्दोलन– उदयशंकर शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 10 से कम नामांकन वाले विद्यालयों के शिक्षक समेत समस्त लगभग 4 हजार कर्मचारियों का वेतन रोक दिये जाने का मामला गरमाता जा रहा है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने बीएसए से दूरभाष पर वार्ता के बाद प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि उन्होने स्पष्ट कर दिया है कि यदि दो दिनों के भीतर शिक्षक समेत समस्त लगभग 4 हजार कर्मचारियों का वेतन तत्काल प्रभाव से जारी न कराया गया तो संघ धरना प्रदर्शन के साथ ही आन्दोलन करने को बाध्य होगा।

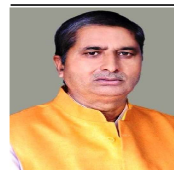

शिक्षकों समेत 4 हजार कर्मचारियों का वेतन रोके जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि इन स्थितियों के लिये सीधे तौर पर बीएसए जिम्मेदार है। उन्होने चेतावनी दिया कि यदि शीघ्र शिक्षक समेत समस्त लगभग 4 हजार कर्मचारियों का वेतन जारी न किया गया तो संघ वृहद और निर्णायक आन्दोलन को बाध्य होगा।

श्रमजीवी पत्रकार यूनियन पदाधिकारियों, सदस्यों में परिचय पत्र का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। श्रमजीवी पत्रकार यूनियन उत्तर प्रदेश के बस्ती शाखा के पदाधिकारियों और सदस्यों में परिचय पत्र का वितरण जिलाध्यक्ष डा. वी0के0 वर्मा ने प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गौड़ की मौजूदगी में गोटवा स्थित पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल सभागार में किया। डा. वर्मा ने कहा कि पत्रकारों के पास यूनियन का परिचय पत्र होना आवश्यक है जिससे वे अपने दायित्वों का पालन निष्ठापूर्वक कर सके।

संरक्षक डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग' राजेश कुमार पाण्डेय महामंत्री, राकेश त्रिपाठी कोषाध्यक्ष, धर्मेन्द्र पाण्डेय, अरूण कुमार उपाध्यक्ष, सर्वेश कुमार श्रीवास्तव, राकेश गिरी सचिव पद इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्य दीपक द्विवेदी, देवेन्द्र पाण्डेय, जय प्रकाश उपाध्याय, श्रीप्रकाश श्रीवास्तव आदि में परिचय पत्र का वितरण किया गया।

श्रमजीवी पत्रकार यूनियन प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गौड़ ने कहा कि पत्रकारिता के अपने दायित्व हैं, पत्रकारों को इस भूमिका पर खरा उतरना होगा। वे इस क्षेत्र की पवित्रता और विश्वास को बचाये बनाये रखने में योगदान दें। संरक्षक डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने कहा कि ज्ञान पत्रकारिता की आवश्यक शर्त है। निरन्तर अध्ययन आवश्यक है।

जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि उनका प्रयास होगा कि पत्रकारों की समस्याओं का प्रमुखता से समाधान कराया जाय। परिचय पत्र वितरण कार्यक्रम में लवकुश सिंह, राकेश तिवारी, राजेन्द्र उपाध्याय, राम विलास कसौधन, फैय्याज, अनिल कुमार श्रीवास्तव, श्री प्रकाश गुप्ता, मो. कलीम, मो. रिजवान, सुमित जायसवाल, दिलीप चन्द्र पाण्डेय, कपीश मिश्र, लवकुश यादव, अनूप मिश्र, आशुतोष नारायण मिश्र, बजरंग प्रसाद शुक्ल, शिवेश शुक्ल, जितेन्द्र कुमार, जय प्रकाश गोस्वामी आदि उपस्थित रहे।

भाकपा माले ने दिया गठबंधन प्रत्याशी राम प्रसाद चौधरी को समर्थनः कार्यकर्ता बैठक में उठाये जमीनी मुद्दे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भारत की कम्युनिस्ट पार्टी ' मार्क्सवादी –लेनिनवादी' की कार्यकर्ता बैठक प्रेस क्लब सभागार में जिला प्रभारी का. रामलौट के संयोजन में सम्पन्न हुई। बैठक में पार्टी ने नेताओं ने इण्डिया गठबंधन के प्रत्याशी राम प्रसाद चौधरी को अपना समर्थन देते हुये उनकी जीत सुनिश्चित करने का आवाहन किया।

कार्यकर्ता बैठक में ब्रजेश, डा. सकूर आलम, राजू कुमार सिंह, चन्दन देवी, नीतू, प्रीती, राजकुमार प्रजापति आदि ने अपने सम्बोधन में कहा कि भाजपा सरकार की नीतियां गरीबों, अल्पसंख्यकों, दलितों को और अधिक गरीब बना रही है। साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण और राजनीति में धर्म का घाल मेल कर भाजपा गरीबों से उनका हक छीन रही है। ऐसे में भाकपा माले ने देश भर में इण्डिया गठबंधन को अपना समर्थन दिया है। जिला प्रभारी का. रामलौट ने कहा कि पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता गठबंधन के प्रत्याशी राम प्रसाद चौधरी के पक्ष में लगातार वातावरण सृजन कर रहे हैं। दावा किया कि बढती मंहगाई, बेरोजगारी के सवाल को लेकर मतदाताओं में आक्रोश है और इस बार भाजपा के मंसूबे सफल नहीं होंगे। अध्यक्षता शान्ती देवी ने किया और संचालन करते हुये नन्द कुमार 'नाग' ने जमीनी मुद्दे उठाये।

बैठक में मुख्य रूप से भागीरथी गौतम, पारसनाथ, सुरेन्द्र, ऊषा, प्रर्मिला, फारूक, मुबारक अली, नन्दलाल यादव, रोशन अली आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 15 मई 2024 बुधवार

सम्पादकीय

संविधान, न्यायपालिका और राजनीति

भाजपा और कांग्रेस दोनों तरफ के नेता संविधान के जनक डॉ. अम्बेडकर की दुहाई दे रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा पहले से लगी थी। पिछले साल संविधान दिवस पर वहां डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा की स्थापना की गई। अनेक वकीलों ने प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और प्रथम मुख्य न्यायाधीश कानिया की मूर्ति लगाने की मांग की है। जजों की नियुक्ति में सभी तरह के आरक्षण को लागू करने की मांग भी दबे सुर में आगे बढ़ रही है। पिछले कई महीनों में बड़े वकीलों और जजों के पत्रों से साफ है कि अदालतें भी अब सियासत का अखाड़ा बन गई हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा है कि अगर उनकी पार्टी जीती तो उन्हें जेल नहीं जाना पड़ेगा। इसलिए चुनावों के बाद न्यायपालिका की भूमिका पर और ज्यादा सवाल खड़े होंगे। कानून का शासन लागू करने के लिए योग्य वकीलों और निष्पक्ष जजों की जरूरत होती है, जो सियासी रुख की बजाय संविधान के अनुसार मामलों का निपटारा करें।

जजों की नियुक्ति में मैरिट और सीनियोरिटी की अनदेखी रू 5 करोड़ मुकदमों के बोझ से बड़ी आबादी परेशान है, जेलें क्षमता से ज्यादा भरी हैं और अदालतों में मेले जैसी स्थिति रहती है। न्याय में देरी से हिंसा भी बढ़ रही है। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट में मध्यस्थता के दौरान पति और पत्नी के परिवारजनों के बीच मारपीट का वीडियो वायरल हो रहा है। कई बार वकील और जज भी न्याय की लक्ष्मण रेखा का उल्लंघन कर देते हैं। सीधे प्रसारण से मुकदमों की सुस्त चाल को ऑनलाइन देखकर लोग तारीख पे तारीख के मर्ज के कारणों को भी समझने लगे हैं। नई सरकार बनने के बाद जुलाई से तीन नए आपराधिक कानून लागू होंगे। इन कानूनों से जल्द न्याय का जो खाका खींचा जा रहा है, उससे बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं दिख रही।

जिला अदालतों को गलत तरीके से निचली अदालत कहा जाता है। वहां के जजों को कोई भी सजा और फांसी देने का अधिकार है लेकिन वी.आई.पी. मामलों की गिरफ्तारी में सुप्रीम कोर्ट से ही जमानत मिलने की गलत परंपरा शुरू हो गई है। हिमाचल प्रदेश में जिला अदालत के दो जजों ने हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति में कॉलेजियम के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इन जजों के अनुसार हाईकोर्ट जजों की नियुक्ति में मैरिट और सीनियोरिटी दोनों को नजरअंदाज किया जा रहा है। चुनावों में 30 लाख सरकारी नौकरियों की भर्ती के वायदे हो रहे हैं। दूसरी तरफ हाईकोर्टों में एक—तिहाई जजों के पद खाली हैं।

जजों द्वारा जजों की नियुक्ति वाले कॉलेजियम सिस्टम की अधिकांश लोग आलोचना करते हैं, लेकिन इसमें बदलाव के लिए संसद से कोई नया कानून बना, तो उसे न्यायपालिका में हस्तक्षेप मानकर उसकी बहुत आलोचना होगी। जजों के साथ अब सरकारी वकीलों और अभियोजकों की नियुक्ति में भी सियासत होने लगी है। राजनीति में परिवारवाद को लोकतंत्र का कैंसर माना जाता है। उसी तरीके से न्यायपालिका में भाई—भतीजावाद और अंकल जजों का चलन संविधान का दीमक बन गया है। इसकी वजह से वकालत के पेशे में योग्य और युवा वकील सफल नहीं हो पा रहे।

सुप्रीम कोर्ट बार के चुनाव रू देश के अधिकांश विधि स्कूलों में पढ़ाई का स्तर बहुत ही खराब है। इस बारे में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों ने बार काउंसिल से सही और समुचित कदम उठाने के लिए कई बार अपील की है। सही शिक्षा और ट्रेनिंग के अभाव में बार ज्वाइन कर रहे युवा वकीलों को वकालत से पर्याप्त आमदनी और अपेक्षित सम्मान नहीं मिल रहा। इसकी वजह से अदालतों में भीड़ के साथ अराजकता बढ़ रही है। कानून की पढ़ाई का स्तर सुधारने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश से कई राज्यों में नैशनल लॉ स्कूल की स्थापना की गई है, लेकिन वहां से निकले अधिकांश प्रतिभाशाली युवा विदेशी कम्पनियों, स्टार्टअप या कॉरपोरेट सैक्टर का हिस्सा बन जाते हैं। आलोचक उन्हें हकीकत से भागने वाले महत्वाकांक्षी युवा मानते हैं, जबकि युवाओं का मानना है कि अदालतों में कानून से ज्यादा बड़े वकीलों के चेहरे को मान्यता मिलती है।

ब्रिटेन के सुप्रीम कोर्ट के प्रेसीडेंट लॉर्ड रीड के अनुसार, वहां पर जूनियर काऊंसिल को बहस करने का मौका मिलता है लेकिन भारत में जूनियर वकीलों की भूमिका फाइल उठाने और तारीख लेने तक ही सीमित है। बड़े वकील मनमानी फीस चार्ज करते हैं। उनकी वजह से बड़े उद्योगपति, वी.आई.पी. नेता और अभिनेताओं के मामलों में जल्द सुनवाई और राहत मिल जाती है। यह समानता और कानून के शासन के खिलाफ है। जिस तरह से निजी अस्पतालों और डॉक्टरों की फीस को नियमित करने की मांग हो रही है, उसी तरह से बड़े वकीलों के रोज सुने जा रहे मुकदमों की संख्या निर्धारित करने के साथ उन्हें मिल रही भारी फीस के अनुसार कोर्ट फीस पेमेंट का सिस्टम बनना चाहिए।

वकालत व्यापार नहीं, बल्कि एक नोबल पेशा है, जिसमें वकीलों को विद्वान और जजों को आदरणीय बोला जाता है। एस.सी.बी.ए. के मैमोरैंडम ऑफ एसोशिएशन के अनुसार, इसे कानून के शासन और वकालत के पेशे की गरिमा बढ़ाने की भूमिका निभानी चाहिए लेकिन गरिमा के नाम पर रसूखदार, अभिजात्य और बड़े वकीलों के वर्चस्व को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता। दूसरी तरफ अदालतों में बढ़ रही भीड़ से अराजकता के साथ बार और बैंच का सम्मान कम हो रहा है। देश के सबसे प्रतिष्ठित और सर्वोच्च बार एस.सी.बी.ए. के चुनावों से पहले प्रत्याशियों के भाषण की परम्परा है। दो रिटायर्ड जज और एक पत्रकार ने नरेन्द्र मोदी और राहुल गांधी के बीच राष्ट्रीय मुद्दों पर बहस की मांग की है। एस.सी.बी.ए. के चुनावों से पहले प्रत्याशियों के भाषण के साथ मॉडरेटर की उपस्थिति में बड़े मुद्दों पर स्वस्थ और खुली बहस होनी चाहिए। इससे मीडिया और नेताओं में सार्थक बहस की शुरुआत होने के साथ अदालतों के प्रति भरोसा भी बढ़ेगा।

चुनाव आयोग की साख में गिरावट और लोकतंत्र

—योगेन्द्र यादव—

इस चुनाव में जिस भी पार्टी की सीटें बढ़ें या घटें, एक बात तय है कि चुनाव आयोग की साख निश्चित ही घट रही है। मतदान के आंकड़ों के बारे में हुए विवाद ने चुनाव आयोग की गिरती हुई साख को एक और धक्का पहुंचाया है। अभी से ही यह नहीं मान लेना चाहिए कि मतदान में बहुत बड़ा घोटाला हुआ है। लेकिन जो चुनाव आयोग पहले ही शक के घेरे में है, इस विवाद में उसकी भूमिका, उसकी चुप्पी और उसकी प्रतिक्रिया, सभी ने शक को पहले से ज्यादा गहरा किया है।

सैंटर फॉर द स्टडी ऑफ डिवैल्पमैंट सोसाइटी (सी.एस.डी.एस.) के राष्ट्रीय चुनाव सर्वेक्षण के अनुसार, 1996 में चुनाव आयोग पर भरोसा करने वाले 77 प्रतिशत थे और भरोसा न करने वाले 23 प्रतिशत। इसी तरह 2019 के चुनाव में भरोसा करने वाले 78 प्रतिशत और भरोसा न करने वाले केवल 12 प्रतिशत थे। लेकिन इस वर्ष उसी संस्था द्वारा कराए गए चुनाव पूर्व सर्वेक्षण में चुनाव आयोग में भरोसा रखने वालों की संख्या घटकर केवल 58 प्रतिशत रह गई, जबकि भरोसा न करने वालों की संख्या बढ़कर 23 प्रतिशत हो गई है। चुनाव आयोग जैसी महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्था की साख में गिरावट लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बेहद संगीन मुद्दा है।

चुनाव की घोषणा से महज एक सप्ताह पहले दो नए चुनाव आयुक्तों की अजीबो—गरीब नियुक्ति ने इस शक को और भी गहरा कर दिया था। चुनाव आयोग की जिम्मेदारी थी कि वह अपने कामकाज से अपनी गिरती हुई साख को दोबारा हासिल करे लेकिन दुर्भाग्यवश, चुनाव की घोषणा से अब तक मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों आयुक्तों के काम—काज ने इस संस्था के कद को घटाया है और इस संदेह को जन्म दिया है कि इस पवित्र संस्था में संवैधानिक पद पर बैठे अफसर सत्ताधारी दल के इशारे पर काम कर रहे हैं। मतदान के आंकड़ों के बारे में हुए विवाद को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। दुर्भाग्यवश इस चुनाव आयोग के बारे में किसी भी सही—गलत आरोप को बहुत लोग शुरू से ही सच मानने को तैयार हो जाते हैं। ऐसा ही कुछ पहले दो दौर के मतदान के आंकड़ों के बारे में हुआ।

इस बार चुनाव आयोग ने बिना कोई कारण बताए और बिना पहले से सूचना दिए मतदान के आंकड़े जारी करने की स्थापित परिपाटी में तीन बड़े बदलाव किए। पहला, चुनाव के दिन तक और मतदान के बाद भी प्रत्येक संसदीय क्षेत्र के कुल पंजीकृत मतदाताओं की संख्या घोषित नहीं की गई। दूसरा, चुनाव पूरा होने के 24 घंटे के भीतर मतदान के अंतिम आंकड़े देने की बजाय, इन आंकड़ों को एक एप पर डाल दिया गया, जिसमें अंतरिम आंकड़े 24 घंटे के बाद भी बदलते रहे। अंतिम आंकड़ों की घोषणा पहले दौर के मतदान के 11 दिन बाद, यानी 30 अप्रैल को की गई और वह भी अखबारों में छपे सवालों और आलोचना के बाद। तीसरा, इतने विवाद के बाद भी जो आंकड़े प्रकाशित किए गए, उनमें केवल वोट प्रतिशत दिया गया, वोटों की पूरी संख्या नहीं दी गई।

जाहिर है, इस असाधारण देरी और बदलाव पर बवाल होना था, हुआ भी। चूंकि पहले दिन शाम 7 बजे जारी किए गए कच्चे आंकड़े और 11 दिन बाद जारी अंतिम आंकड़े में 6 प्रतिशत का अंतर था, इसलिए कई विपक्षी नेताओं ने यह शक जाहिर किया कि कहीं चुनाव पूरा होने के बाद चोर दरवाजे से सरकारी तंत्र ने 6 प्रतिशत अतिरिक्त वोट बढ़ा तो नहीं दिए? सी.पी.एम. महासचिव सीता राम येचुरी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस बारे में सवाल उठाए। कांग्रेस अध्यक्ष ने इंडिया गठबंधन की तमाम पार्टियों को इस आशय का पत्र भी लिखा, उसे सार्वजनिक भी किया।

चुनाव आयोग की जिम्मेदारी थी कि वह इन शंकाओं का समाधान करे। इसका सबसे आसान तरीका होता कि चुनाव आयोग पहले तीन दौर के मतदान में हर लोकसभा क्षेत्र और उसमें शामिल सभी विधानसभा हलकों के मतदाताओं और मतदान की संख्या सार्वजनिक कर देता। किसी भी संदेह के निवारण के लिए चुनाव आयोग चाहता तो हर बूथ के प्रमाणित मतदान (यानी फॉर्म 17 सी) को सार्वजनिक कर सकता था। चूंकि इस फॉर्म पर हर पार्टी के एजैंट के हस्ताक्षर होते हैं, इसे सार्वजनिक करने पर किसी भी संदेह या विवाद पर पूर्ण विराम लग जाता।

लेकिन ऐसा करने की बजाय चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को 17 पेज की एक अजीब सी चिट्ठी लिखकर उस पत्र का जवाब दिया, जो चुनाव आयोग को भेजा ही नहीं गया था। सरकारी अफसर के अहंकार और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के आरोप—प्रत्यारोप की भाषा का मिश्रण करती हुई यह चिट्ठी कांग्रेस अध्यक्ष को अमर्यादित भाषा में डांटते हुए उन्हें परोक्ष चेतावनी देती है कि अगर वह संवैधानिक संस्था के कामकाज में दखल देने से बाज नहीं आए तो आयोग कुछ कार्रवाई करने पर विवश हो सकता है। इस चिट्ठी में चुनाव आयोग एक अंपायर की बजाय एक राजनीतिक खिलाड़ी नजर आता है।

चुनाव आयोग ने खरगे जी द्वारा उठाए सवालों पर सफाई भी पेश की, लेकिन अजीबो—गरीब तर्क के सहारे। चुनाव आयोग ने दावा किया कि मतदान के आंकड़ों में इतनी देरी सामान्य है। चुनावों को 35 वर्ष तक देखने के आधार पर मैं कह सकता हूं कि यह बात सरासर झूठ है। आयोग ने यह हास्यास्पद तर्क भी दिया कि चूंकि हर बूथ की वोटर लिस्ट हर मान्यता प्राप्त पार्टी के पास होती है, इसलिए चुनाव आयोग को निर्वाचन क्षेत्र के कुल मतदाताओं की संख्या जारी करने की कोई आवश्यकता नहीं। साथ में यह खतरनाक तर्क भी दिया कि चूंकि इन आंकड़ों को प्रकाशित करने की कोई कानूनी बाध्यता नहीं है, इसलिए चुनाव आयोग चाहे तो इन आंकड़ों को जारी करे या न करे।

मतदाताओं के आंकड़ों के बारे में चुनाव आयोग का तर्क है कि वे चूंकि फॉर्म 17सी में हर बूथ पर कुल मतदाताओं और मतदान करने वालों की संख्या को दर्ज किया जाता है, इसलिए चुनाव आयोग निर्वाचन क्षेत्र में कुल मतदान के आंकड़े कब सार्वजनिक करे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह अर्ध सत्य है। बेशक फार्म 17सी मतदाताओं की संख्या में हेरा—फेरी रोकने का एक अच्छा तरीका है लेकिन इससे चुनाव आयोग अपनी इस जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो जाता कि लोकसभा क्षेत्र में कुल मतदान कितना हुआ। यह मामला केवल आंकड़ों की विश्वसनीयता का ही नहीं है। इस सवाल को उठाने वाले सभी लोगों के मन में असली संदेह यह है कि किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में कुल जितने मत पड़े और जितने मत गिने जाएंगे, उनमें कोई अंतर तो नहीं है। इस शक का कारण यह है कि पिछले लोकसभा चुनाव में ऐसी गड़बड़ी सामने आई थी जब चुनाव आयोग ने परिणाम के बाद बूथवार मतदान के आंकड़े सार्वजनिक किए तो एक खोजी पत्रकार ने यह पाया कि जितने वोट पड़े नहीं उससे ज्यादा वोटों की गिनती हुई थी। इस अंतर पर सफाई देने की बजाय चुनाव आयोग ने आनन—फानन में अपनी वैबसाइट से मतदान के आंकड़े हटा लिए थे। आज तक इस गड़बड़ी के कारणों का खुलासा नहीं हुआ। मतदान के आंकड़ों के बारे में आरोप—प्रत्यारोप से असली सवाल यह है कि कहीं पिछले चुनाव की तरह इस बार भी जितने वोट पड़े और जितने गिने गए, उसमें अंतर तो नहीं रहेगा? यह बहुत गंभीर सवाल है।

जहां तक मुझे ध्यान पड़ता है, किसी भी लोकसभा चुनाव में मतदाताओं या मतदान की संख्या के बारे में इस तरह बड़ा विवाद पहले कभी नहीं हुआ। लेकिन इसमें ईमानदारी और पारदर्शिता बरतने की बजाय चुनाव आयोग ने होशियारी, छिपाव और धमकाने का सहारा लिया है। चुनाव आयोग के इस रुख से इस संवैधानिक संस्था की साख को और धक्का लगा है। पता नहीं कितना समय लगेगा इस साख को दोबारा हासिल करने में।

धर्म आधारित जनसंख्या के असंतुलन

—श्याम जाजू—

18वीं लोकसभा के चुनावों की गहमा—गहमी के बीच एक ऐसी रिपोर्ट आई है, जिसे देश पहले से ही जानता था पर आधिकारिक तौर पर मोहर अब लगी है। पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ई.ए.सी.पी.एम.) द्वारा जारी 'धार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी— एक क्रॉस कंट्री विश्लेषण (1950—2015)' शीर्षक से एक अध्ययन से पता चला है कि भारत में बहुसंख्यकों (हिंदुओं) की जनसंख्या हिस्सेदारी में गिरावट आई है।

अध्ययन में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि भारत में 1950 और 2015 के बीच बहुसंख्यक हिन्दू आबादी की हिस्सेदारी 1950 में 84.68 प्रतिशत से घटकर 2015 में 78.06 प्रतिशत हो गई है, अर्थात इसमें 7.82 प्रतिशत की कमी आई है जबकि इसी अवधि (65 वर्ष) में मुसलमानों की हिस्सेदारी 9.84 प्रतिशत से बढ़कर 14.09 प्रतिशत हो गई है अर्थात 43.15 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि। इसी अवधि में ईसाइयों में 5.38 प्रतिशत की वृद्धि, सिखों में 6.58 प्रतिशत की और बौद्धों में मामूली वृद्धि देखी गई, जबकि जैन और पारसियों की संख्या में कमी देखी गई।

आजादी के समय देश का धर्म के आधार पर विभाजन हुआ — मुसलमानों और सैक्युलरों के बीच क्योंकि जहां पाकिस्तान केवल मुसलमानों के लिए बना, वहीं हिन्दुस्तान सभी धर्मों और सम्प्रदायों को साथ लेकर चलने वाला देश बन गया। जहां पाकिस्तान से चुन—चुन कर हिन्दुओं को भेजा गया या मार दिया गया, वहीं हिंदुस्तान में बड़ी संख्या में मुसलमान रह गए, जिनको समानता के साथ देश का नागरिक बने रहने का अधिकार मिला। कालखंड में इनकी संख्या बढ़ती गई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि भारत सैक्युलर है और यहां के बहुसंख्यक हिंदू सैक्युलर हैं। यही वजह है कि यहां और धर्मों तथा सम्प्रदायों को मानने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि होती जा रही है। शोर के विपरीत, इस रिपोर्ट के विश्लेषण से पता चलता है कि अल्पसंख्यक न केवल सुरक्षित हैं, बल्कि वास्तव में भारत में फल—फूल रहे हैं।

पर इस रिपोर्ट का एक दूसरा भी पहलू है। वह यह कि जैसे—जैसे हिन्दुओं की संख्या घटेगी, देश में सैक्युलरिज्म की अवधारणा पर चोट पहुंचेगी। हाल के दिनों में यह स्पष्टता से देखने में आया है। जहां—जहां हिन्दू अल्पसंख्यक हुए हैं, वहां इनटॉलरैंस बढ़ने, शरिया लागू करने की मांग उभर कर आ रही है। देश के अनेक राज्यों और जिलों में जहां—जहां हिन्दू अल्पसंख्यक हुए हैं, वहां हिन्दुओं के धार्मिक जलूसों पर पथराव, हिंदू मान्यताओं का विरोध आदि शुरू हो गया है। पश्चिम बंगाल और केरल इसके मुख्य उदाहरण हैं।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, देश के 8 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में हिन्दू अल्पसंख्यक हो गए हैं (ये हैं— लद्दाख, जम्मू — कश्मीर, लक्षद्वीप, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, और अरुणाचल प्रदेश)। कुछ लोग पंजाब का भी नाम लेते हैं, पर वहां के बहुसंख्यक सिख हिन्दुओं का ही बृहत्तर हिस्सा हैं। इसके अलावा देश में ऐसे कई राज्य हैं, जहां हिन्दुओं की जनसंख्या तेजी से घट रही है और मुस्लिम जनसंख्या बढ़ रही है, जैसे कि पश्चिम बंगाल, केरल और उत्तराखंड, जहां पर 2001 से 2011 के दशक में ही यह वृद्धि 2 प्रतिशत की थी। 2011 के बाद निस्संदेह यह संख्या बढ़ ही रही है।

इकोनॉमिक और पॉलिटिकल वीकली में छपी एक रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, केवल प्रदेशों में ही नहीं, देश के अनेकों जिलों में जनसंख्या का असंतुलन चिंताजनक तरीके से बढ़ता जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, देश के 458 जिलों में 2001 से 2011 के बीच मुस्लिम आबादी की वृद्धि 24.4 प्रतिशत की थी। कई जिले तो ऐसे हैं, जो पूरी तरह से मुस्लिम बहुल हो गए हैं। उदाहरण के तौर पर बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में सबसे अधिक मुस्लिम आबादी है। यहां पर 66.8 प्रतिशत और इसके बाद नंबर आता है मालदा जिले का, जहां 51.27 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है।

दरअसल मुसलमानों की बढ़ती जनसंख्या दर वोटबैंक की राजनीति का परिणाम है। कांग्रेस और तृणमूल तथा समाजवादी पार्टी सरीखे कई क्षेत्रीय दलों ने मुसलमानों को एक वोटबैंक की तरह इस्तेमाल किया है। कांग्रेस ने तो आजादी के समय से ही सत्ता पर पकड़ बनाए रखने के लिए मुस्लिम कार्ड खेला है। याद कीजिए, यह कांग्रेस ही थी, जो सत्ता के लिए धर्म के आधार पर देश का विभाजन करने को तैयार हो गई थी और यह वही कांग्रेस थी, जो एक ओर तो हिन्दुओं से 'हम दो, हमारे दो' का आह्वान करती रही, वहीं दूसरी ओर आज मुसलमानों के लिए 'जितनी आबादी, उतना हक' जैसे नारे देती है।

पश्चिम बंगाल में तो राजनीतिक लाभ और वोटों की चाह में जनसंख्या विद्रूपता अपने चरम पर है। वहां पर सत्तारूढ़ तृणमूल पर वोट बैंक के लिए बंगलादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देकर मुस्लिम जनसंख्या बढ़ाने का आरोप है। बंगाल सरकार की शह पर घुसपैठियों ने कथित तौर पर वोटर कार्ड से लेकर राशन, आधार कार्ड व पासपोर्ट जैसे दस्तावेज तक बना लिए हैं, जिससे मुस्लिम संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जो चुनाव में अहम रोल निभाते हैं। आज पश्चिम बंगाल में मुस्लिम वोट बड़ा फैक्टर बन गया है। ये लोकसभा की 42 में से 13 सीटों और विधानसभा की 294 में से करीब 100 सीटों पर हार—जीत करते हैं। बंगलादेश की सीमा से लगने वाले जिलों उत्तर दिनाजपुर में 49.92 प्रतिशत, बीरभूम में 37.06 प्रतिशत, दक्षिण 24 परगना में 35.57 प्रतिशत और उत्तर 24 परगना में 30 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है, जो तृणमूल का वोट बैंक बन गई है। सी.एस.डी.एस.—लोकनीति पोस्ट पोल विश्लेषण के अनुसार, 2021 के चुनावों में 10 में से लगभग 8 मुसलमानों ने टी.एम.सी. को वोट दिया था, जो उसकी जीत का कारण बना।

आज भारत को एक व्यापक जनसंख्या नीति की जरूरत है। धर्म आधारित जनसंख्या असंतुलन को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। जनसंख्या का यह 'असंतुलन' ही अंत में भौगोलिक सीमा में बदलाव का कारक होता है, यह हम 1947 में देख चुके हैं जब देश का विभाजन जनसंख्या के 'असंतुलन' के कारण ही हुआ था। दुनिया में भी जनसंख्या 'असंतुलन' से हुए बदलावों के कई उदाहरण हैं जैसे कि ईस्ट तिमोर, दक्षिण सूडान और कोसोवो आदि जनसंख्या में असंतुलन के कारण ही नए देश बने हैं। लेबनान जैसे अति समृद्ध देश जनसंख्या असंतुलन के कारण तबाह हो गए।

समय आ गया है कि केंद्र में आने वाली एन.डी.ए. की सरकार कुछ सख्त फैसले ले और देश में जनसंख्या नियंत्रण, समान अचार संहिता जैसे कानून लाए। इससे आबादी बढ़ा कर राजनीतिक सत्ता हासिल करने की प्रवृत्ति पर रोक लगेगी। जनसंख्या नियंत्रित होने से देश के हर नागरिक, चाहे वह किसी मजहब को मानने वाला हो, के कल्याण के लिए देश के संसाधनों के सम्यक उपयोग का रास्ता प्रशस्त होगा। (लेखक पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भाजपा हैं)

पश्चिमी देश में नस्लवाद

—चेतनादित्य आलोक—

दुनिया के तमाम विकसित देश विशेषकर अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिटेन आदि इस बात का शोर मचाते नहीं थकते कि वे सभ्य देश हैं और दुनियाभर में यदि लोकतंत्र एवं मानवाधिकार सुरक्षित हैं तो केवल उनके ही कारण और वे ही हैं जो लोकतंत्र की गरिमा, शुचिता और इसका व्यावहारिक पक्ष सुरक्षित रखे हुए हैं। लेकिन हकीकत यह है कि इन देशों में ही निर्दोष एवं मासूम विदेशी नागरिकों के साथ जिस प्रकार के व्यवहार किए जाते हैं, वे इन्हें असभ्य, नस्लवादी, रूढ़ एवं असहिष्णु समाजों की सूची में शामिल किए जाने के लिए पर्याप्त प्रतीत होते हैं।

इस संदर्भ में सबसे पहले चर्चा विदेश पढ़ाई करने जाने वाले भारतीय विद्यार्थियों की, क्योंकि इस वर्ष जनवरी से मार्च तक ही केवल अमेरिका में लगभग एक दर्जन भारतीय विद्यार्थियों की हत्या कर दी गई अथवा संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मौत हो गई। भारतीय विद्यार्थियों की हत्या के ये आंकड़े चौंकाते तो हैं ही, भयभीत भी करते हैं, क्योंकि ये आंकड़े अमेरिका में नस्लवाद के नए संस्करण के फैलाव के सबूत हैं और बाइडन प्रशासन के भारत के प्रति उपेक्षात्मक एवं नकारात्मक रवैये का संकेत भी।

यह स्थिति तब है, जबकि भारतीय विद्यार्थियों के संबंध में दुनियाभर में प्रचलित है कि ये बेहद शालीन, विनम्र और अपनी पढ़ाई—लिखाई से वास्ता रखने वाले होते हैं। ये कभी भी बेवजह सरकार विरोधी अथवा स्थानीय संस्कृति और सभ्यता के विरोध में किसी प्रकार के आंदोलन आदि में भाग नहीं लेते। वे मित्र देश का किसी भी प्रकार से विरोध, अपमान या अहित नहीं करते।

हालांकि, कारोबारी जगत की महत्वपूर्ण भूमिकाओं में भारतीय प्रोफेशनलों के प्रमुखता से उभरने के कारण दुनियाभर में भारतीय प्रोफेशनलों की मांग दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत से विदेश जाकर शिक्षा प्राप्त करने और वहीं बस जाने का क्रेज भी बढ़ा है। वैसे देखा जाए तो पश्चिमी देशों का नस्लभेदी रवैया बहुत पुराना है और यह केवल भारतीय विद्यार्थियों तक ही सीमित नहीं रहा है, बल्कि इन विकसित देशों ने तो अपने असभ्य, नस्लवादी, रूढ़िवादी एवं असहिष्णु आचरण का शिकार अनेक भारतीय कलाकारों, खिलाड़ियों एवं अन्य प्रोफेशनलों समेत कई बड़े और विख्यात लोगों को भी बनाया है। याद कीजिए, 1893 में दक्षिण अफ्रीका में रेल यात्रा करते समय एक रेलवे स्टेशन पर महात्मा गांधी के विरुद्ध अंग्रेज सहयात्री द्वारा किए गए क्रूर नस्लभेदी व्यवहार को जिससे प्रेरणा लेकर गांधी जी ने नस्लभेद तथा रंगभेद के खिलाफ संघर्ष शुरू किया था। हाल के वर्षों में भी योजनाबद्ध तरीके से सिलसिलेवार अंजाम दी गई अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन समेत कई पश्चिमी देशों में हिंदुओं के धर्मस्थलों पर पत्थरबाजी, मारपीट, लूटपाट एवं आगजनी की घटनाओं को भला कौन भुला सकता है, जिसकी दहशत आज भी वहां के भारतवंशियों के मन में विद्यमान है।

इसी प्रकार लंदन में एक फिल्म की शूटिंग के दौरान कुछ कार सवार युवकों द्वारा भारतीय अभिनेता जॉन अब्राहम और अभिनेत्री बिपाशा बसु के रंग और भारत के बारे में घटिया टिप्पणियां करना, 2008 में ब्रिटेन के एक रियलिटी शो 'बिग ब्रदर' में कंटेस्टेंट जेड गुडी द्वारा बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी पर रंगभेदी टिप्पणी करना, अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा को अमेरिका में पढ़ाई के दौरान सांवले रंग की वजह से 'ब्राउनी' कहकर चिढ़ाया जाना, नस्लभेद की वजह से प्रियंका को हॉलीवुड की एक फिल्म में कार्य करने से वंचित कर देना और रूस—यूक्रेन युद्ध के आरंभ में पूर्वी यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों का नस्लभेदी व्यवहारों का शिकार होना आदि पश्चिमी देशों के क्रूर नस्लभेदी व्यवहारों के कुछ प्रमुख उदाहरण हैं।

पुलिस और एसओजी टीम से हुई मुठभेड़, 5 शातिर चोर गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। एसपी के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए गए अभियान में इटियाथोक पुलिस और एसओजी टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने 5 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ किया तो चोरों ने कई घटनाओं का खुलासा किया है। इनके कब्जे से तीन देसी तमंचा कारतूस सोने चांदी के आभूषण और नगदी बरामद कर इनके खिलाफ चोरी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है। इन बदमाशों के खिलाफ गोंडा और बहराइच के कई थानों में चोरी मारपीट लूट सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है।

गोंडा जिले के इटियाथोक थाना क्षेत्र के भावनियापुर चौराहे पर ज्वेलर्स का काम करने वाले अजय कुमार सोनी के दुकान में बीते 26 फरवरी को चोरी हो गई थी। पीड़ित ने इसकी सूचना पुलिस को देते हुए कहा कि उनकी दुकान से नगदी और सोने चांदी के आभूषण की चोरी हो गई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही थी। इसी बीच बुधवार की सुबह तड़के पुलिस और एसओजी टीम गश्त कर रही थी। इस दौरान प्राइमरी विद्यालय बेलवा बहुता के पास चोरों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने इस दौरान 5 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। इनमें बहराइच जिले के विशेश्वरगंज थाना के गांव सुल्ताना के रहने वाले इन्दर पुत्र छेदी सोनकर तथा श्रावस्ती जिले के इकौना थाना के गांव दिनामगढ़ के रहने वाले रामनरेश पुत्र रामपथ तथा खरगूपुर थाना क्षेत्र के गांव भाया पुरवा के रहने वाले महेश कोरी तथा ननके सोनकर और इसी थाना क्षेत्र के गांव धोबी पुरवा के रहने वाले सिद्धार्थ नाथ सोनकर को गिरफ्तार किया है। इनमें सभी आरोपियों का के खिलाफ गोंडा और बहराइच के विभिन्न थानों में दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से 50 हजार नगदी सोने चांदी के आभूषण तीन देसी तमंचा और कई जिंदा कारतूस बरामद किया है।

प्रभारी निरीक्षक इटियाथोक विवेक त्रिवेदी, उप निरीक्षक रविंद्र कुमार रमन उप निरीक्षक राजेश यादव शशांक मौर्य संजय निषाद, दिनेश मद्धेशिया,आदित्य राय, शशांक द्विवेदी शामिल रहे।

एसयूवी की टक्कर से दो सगे भाइयों समेत तीन की मौत, इलाज के दौरान दम तोड़ा

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा–अयोध्या मार्ग पर शोभापुर गांव के पास अनियंत्रित एसयूवी ने सड़क किनारे खड़े दो सगे भाइयों समेत तीन लोगों को टक्कर मार दी। घायलों को पुलिस ने अयोध्या मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। जहां तीनों की मौत हो गई। तीन युवकों की मौत से परिवारों में कोहराम मच गया है। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। एसयूवी को बरामद कर लिया गया है। थाना क्षेत्र वजीरगंज के खानपुर गांव निवासी अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि उनके भतीजे अभय सिंह (20) व आदर्श सिंह (18) सोमवार की रात में करीब नौ बजे नवाबगंज से मोटरसाइकिल से अपने घर की तरफ जा रहे थे। नवाबगंज –गोंडा राजमार्ग पर शोभापुर गांव के सामने एक दुकान के पास सड़क के किनारे उनके रिश्तेदार सूरज सिंह (19) निवासी तुलसीपुर मिल गए। सूरज से दोनों भाई सड़क के किनारे बातचीत करने लगे। उसी समय नवाबगंज की तरफ से तेज रफ्तार आ रही एसयूवी ने अनियंत्रित होकर जोरदार टक्कर मार दी जिससे तीनों लोग सड़क के किनारे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। जहां पर तीनों की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टर ने अयोध्या मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां पर इलाज के दौरान तीनों की मौत हो गई।

प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार राय ने बताया कि अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। एसयूवी को बरामद कर लिया गया है जबकि कार चालक मौके से फरार हो गया है। उधर, युवकों की मौत की सूचना से घर में कोहराम मच गया। परिजन रो–रोकर बेहाल हैं।

डाकमत पत्रों की जांच शुरू,तय समय पर पूरा करने का निर्देश

संवाददाता–श्रावस्ती। 85 वर्ष से अधिक आयु के वृद्ध एवं शारीरिक निःशक्तता वाले मतदाताओं को डाकमत पत्र से वोट डलाया जाएगा। इसके लिए गठित समिति के लोग घर जाकर मतदान कार्य करा रहे हैं। मंगलवार को डीएम कृतिका शर्मा ने समिति के कार्यो की जांच की। डीएम ने मंगलवार को भिनगा के शास्त्रीनगर में मौके पर पहुंच कर डाकमत पत्र से वोटिंग का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतदान अधिकारी एवं प्रभारी अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक दिन के लिये चिह्नित मतदाता से मतदान कार्य पूर्ण कराने के उपरान्त मतदान दल सभी सामग्री कलेक्ट्रेट परिसर में लाकर सम्बन्धित रिटर्निंग आफिसर के पास जमा कराएं। डीएम ने बताया कि डाक मत पत्र में विधानसभा 289–भिनगा के लिए तीन मतदान दल तथा विधानसभा 290–श्रावस्ती के लिए दो मतदान दल गठित किये गये है। प्रत्येक मतदान दल में दो मतदान अधिकारी तथा एक माइक्रो आर्ब्जवर तैनात किये गये है। जो घर–घर जाकर डाकमत पत्र के माध्यम से 85 वर्ष से अधिक आयु के लोगों एवं शारीरिक निःशक्तता वाले लोगों से मतदान करा रहे हैं। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी भिनगा पीयूष जायसवाल सहित मतदान कार्य में लगे समिति के कर्मचारी एवं मतदाता मौजूद रहे।

अयोध्या पहुंचा श्रीसदगुरू कृपा मंडल द्वारा संचालित 84 कोसी परिक्रमार्थियों का जत्था

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्रीसदगुरू कृपा मंडल के तत्वाधान में आयोजित अयोध्या धाम 84 कोसी परिक्रमा में जय श्रीराम के गगनभेदी उद्घोष संग परिक्रमार्थियों का जत्था मां सरयू के पावन तट पर पहुंचा। इस वर्ष 84 कोसी परिक्रमा तीन जत्थों में अयोध्या से निकली थी जिसमें सबसे पहले जत्था जो गया शरण महाराज के संयोजन में चौत्र पूर्णिमा को अयोध्या से रवाना हुई थी वह पुनः मखौड़ा धाम होते हुए मंगलवार के अयोध्या पहुंचा जहां मां सरयू का पूजन अर्चन किया गया और सभी परिक्रमार्थी रात्रि विश्राम सदगुरू सदन पाप मोचन घाट पर करेंगे सुबह रामकोट की परिक्रमा करेंगे और रामार्चा का पूजन के बाद परिक्रमार्थियों की विदाई होगी। गया शरण महाराज ने बताया कि 84 कोसी परिक्रमा पहली बार श्रीसदगुरू कृपा मंडल के तत्वाधान में अयोध्या धाम से निकल गई जो अब निरंतर चलती रहेगी उन्होंने बताया कि यह परिक्रमा पांच जिलों से होकर गुजरी है और सभी जगह परिक्रमा में शामिल संतों महंतों भक्तों का स्वागत हुआ और उन्होंने बताया कि चौरासी कोस की परिक्रमा हमारी आस्था, श्रद्धा व भक्ति को समाहित कर समाज को एक सूत्र में बांधने का माध्यम है। चौरासी कोस की परिक्रमा से भक्तों का जीवन धन्य हो उठता है। लाखों वर्ष की प्राचीन परंपराओं को जीवंत करने वाले भक्तों की समर्पण और भक्ति को सदा नमन है। परिक्रमा में दिख रहा उत्साह भक्ति हमें पूर्वजों के संकल्प की सिद्धि को जीवंत रखने की प्रेरणा देता है। उत्साह और उमंग से यह परिक्रमा निकल रही है, जिसमें प्रतिवर्ष भक्तों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि अनंत काल से चली आ रही चौरासी कोसी परिक्रमा जीवन के कष्टों व्याधियों से मुक्त करा प्रभु चरणों में समर्पित होने का माध्यम है। इस दौरान संत रामभूषण दास, शत्रुघ्न सिन्हा, फौजी रामसेवक दास, संत रघुनाथ दास त्यागी आदि मौजूद रहे।

162 मतदान कर्मियों ने डाले वोट प्रशिक्षण से 36 रहे अनुपस्थित

संवाददाता–बलरामपुर। लोकसभा चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए मंगलवार को नगर के एमपीपी इंटर कॉलेज में मतदान में लगे कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में कुल 1636 कर्मियों को भाग लेना था। इसमें से प्रथम पाली में 14 व द्वितीय पाली में 22 समेत कुल 36 कर्मी अनुपस्थित पाए गए। इसके अलावा 135 माइक्रोआब्जर्वर को भी प्रशिक्षण दिया गया। सामान्य प्रेक्षक किशोर कुमार प्रशिक्षण कार्यक्रम का जायजा लिया। अनुपस्थित कर्मचारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश जिला निर्वाचन अधिकारी ने दिया है। इसके अलावा मतदान ड्यूटी में लगे 162 मतदान कर्मियों ने अपना वोट भी डाला है। जिले में 25 मई को मतदान होना है। उसके पहले मतदान को सम्पन्न कराने के लिए जिन कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है, उनका मतदान कराया गया। मंगलवार को ड्यूटी में लगे 162 कर्मियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिला सूचना कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक लोकसभा क्षेत्र की तीन विधानसभाओं में मतदान कर्मियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। इसमें गैंसड़ी विधानसभा में सबसे अधिक 96 सरकारी कर्मचारियों ने अपना वोट डाला है। इन सबकी ड्यूटी चुनाव में लगी हुई है। इसके अलावा तुलसीपुर में 33 व बलरामपुर में 33 मतदान कर्मियों ने अपने वोट डाले हैं। मिली जानकारी के अनुसार जिन कर्मियों की ड्यूटी लोकसभा चुनाव में लगी है, वह भी अपने निर्धारित समय में वोट डालने नहीं पहुंचे हैं। ऐसे में लोगों का कहना है कि कम से कम मतदान कर्मियों बढ़–चढ़कर वोट डालना चाहिए था जिससे आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ सके।

जीजा की हत्या का आरोपी साला भी गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। जीजा की हत्या का आरोपी साले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को थाने लाकर जेल भेज दिया गया। पुलिस हत्या में शामिल सास, ससुर व पत्नी को पहले ही गिरफ्तार जेल भेज चुकी है। इकौना थाना क्षेत्र के लाल बनकटी निवासी त्रिलोकी पुत्र जगराम बीते आठ मई को अपनी ससुराल सोनवा थाना क्षेत्र के बजरंगी पुरवा आया था। पत्नी को ले जाने को लेकर ससुराली जनों से विवाद हो गया। जिसके बाद दूसरे दिन सुबह ससुराल में ही अहाते में त्रिलोकी की लाश पेड़ से लटकी पाई गई थी। मृतक के पिता जगराम पुत्र मोहनलाल ने मृतक की पत्नी, सास, ससुर व साले पर हत्या का आरोप लगाते हुए सोनवा थाने में मामला दर्ज कराया। जिसके बाद पुलिस ने 10 मई को सास, ससुर व पत्नी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया व आलाकत्ल बरामद किया था। जबकि साला बलराम पुत्र जिलेदार निवासी बजरंगी पुरवा फरार चल रहा था। मंगलवार को वांछितों की गिरफ्तारी के लिए सोनवा थाना प्रभारी निरीक्षक श्याम देव चौधरी पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। इस दौरान पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर हत्या के चौथे आरोपी बलराम को भी बाबा गुरुमुरत दास इण्टर कालेज गिलौला रोड के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक के साथ मुख्य आरक्षी उपेन्द्र साहनी व आरक्षी अमित कुमार शामिल रहे।

मोदी–योगी से नहीं, हमारी लड़ाई दो विचारधाराओं के बीच –मल्लिकार्जुन खरगे

संवाददाता–महराजगंज। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार के पक्ष में मतदान की अपील की। वे जवाहर लाल नेहरू पीजी कॉलेज खेल मैदान में इंडिया गठबंधन उम्मीदवार कांग्रेस विधायक वीरेंद्र चौधरी के समर्थन में सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई मोदी योगी से नहीं है, यह लड़ाई दो विचार धाराओं के बीच की है। एक विचारधारा देश को कुछ उद्योगपतियों के हाथ गिरवी रखकर गरीब और मध्यम वर्ग को गुलाम बनाना चाहती है जबकि हम देश और देशवासियों को बचाना चाहते हैं। हमारी विचारधारा नेहरू, गांधी, पटेल के बनाए देश को बचाने की है। उनकी उसे खत्म करने की है। वे अपने उद्योगपति मित्रों को लाभ देते हैं। हम गरीबों, किसानों की मदद करते हैं, उनका कर्ज माफ करते हैं।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि हमारी पांच गारंटी है जो युवाओं को नौकरी, महिलाओं के खाते में साल में एक लाख, कर्ज माफी और बेरोजगार युवकों के अप्रेंटिस सुनिश्चित करती है। इसके इतर भाजपा की गारंटी नफरत और भाईचारे को खत्म करने की है। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने काम पर नहीं राम, मुसलमान, पाकिस्तान और हिंदू को खतरे में कहकर वोट मांगती है। खरगे ने कहा कि भाजपा 400 सीट इसलिए चाह रही है कि ताकि वह संविधान बदल कर लोकतंत्र को खत्म कर दे। कहा कि यह क्षेत्र भगवान बुद्ध का ननिहाल है जहां दो हजार छह सौ वर्ष पहले लोकतंत्र था, आप लोगों से बेहतर लोकतंत्र के महत्व को कौन जानता है, इसलिए आप सभी से अनुरोध है कि गठबंधन के उम्मीदवार वीरेंद्र चौधरी को जरूर जिताएं। उन्होंने कहा कि यह धरती संविधान सभा सदस्य रहे शिब्बन लाल सक्सेना, वीर बहादुर सिंह, हर्षवर्धन जैसे विकास पुरुषों की रही है। इनकी रिक्तियां निश्चित ही वीरेंद्र चौधरी पूरी कर सकते हैं।

कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भाजपा सरकार खासकर पीएम मोदी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में करोड़ों खर्च कर निवेशकों का मेला लगता है। सरकार का अरबों निवेश का दावा भी रहता है लेकिन वह दिखता कहीं नहीं। उन्होंने कहा कि यह कैसा निवेश है जो पूर्वांचल की एक एक करके बंद होती जा रही चीनी मिलों का उद्धार तक नहीं कर सकी। नतीजा कभी चीनी का कटोरा कहे जाने वाले पूर्वांचल से चीनी ही समाप्त हो गई।

सपा नेता व पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि गठबंधन की सरकार बनना तय है। अब आपकी जिम्मेदारी है कि महराजगंज से गठबंधन उम्मीदवार वीरेंद्र चौधरी को जिताकर गठबंधन सरकार के गठन में अपनी भागी दारी सुनिश्चित करें। कांग्रेस के यूपी प्रभारी अविनाश पांडेय ने भाजपा सरकार की विफलता की लंबी सूची गिनाते हुए कहा कि इस सरकार का अब बने रहना देश हित में नहीं है।

कार्यक्रम में डुमरियागंज के पूर्व सांसद मो. मुकीम, पूर्व सांसद कमल किशोर कमांडो, बस्ती के पूर्व विधायक अंबिका सिंह, पूर्व विधान परिषद सदस्य राम अवध सिंह, पूर्व विधायक श्रीपति आजाद, सुदामा प्रसाद, सपा नेता निर्मेश मंगल, अमरेंद्र निषाद, सपा जिलाध्यक्ष विद्या सागर यादव, आप जिलाध्यक्ष राम कुमार पटेल, मनौवर हुसेन आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किया।

बच्चों को पढ़ाया गया पर्यावरण संरक्षण का पाठ

संवाददाता–श्रावस्ती। 62वीं वाहिनी एसएसबी कमांडेन्ट रवीन्द्र कुमार राजेश्वरी के निर्देशन में पर्यावरण के लिए जीवन शैली अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत लोगों को साफ सफाई के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी क्रम में स्कूल में कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों को जागरूक किया जा रहा है। उपकमांडेन्ट निरुपेश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को लव विद्या पीठ खरगौरा में पर्यावरण के लिए जीवन शैली अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि आज पृथ्वी कई पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रही है। जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जैव विविधता का ह्रास और प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन हमारे ग्रहों को खतरे में डाल रहे हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए हमें अपनी जीवनशैली में बदलाव लाना होगा। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे विकल्पों को अपनाना होगा जो पर्यावरण के अनुकूल हो और धरती को बचाने में योगदान देने वाले हो। इसके लए हमें ऊर्जा का संरक्षण, पानी का संरक्षण करना है। प्लास्टिक का उपयोग कम करना, स्थानीय रूप से उत्पादित भोजन खाना, ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं। इन छोटे बदलावों से हम पर्यावरण को सुरक्षित रख सकते हैं। इस मौके पर सहायक उप निरीक्षक नरेश कुमार, आरक्षी प्रदीप कुमार, विद्यालय के प्रधानाचार्य अनुराग पाठक आदि मौजूद रहे।

परमेश्वर धाम आश्रम के महंत बने रामायणी हनुमान दास और रामदास रामायणी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्री राम नगरी अयोध्या के लवकुश नगर मोहल्ले में स्थित परमेश्वर धाम के महंत पद पर विराजमान हुए महंत रामायणी हनुमान दास मानस राजहंस और उसके उपरांत उन्होंने और अयोध्या के संतों महंतों ने रामदास रामायणी को आश्रम का महंत नियुक्त किया। महंताई समारोह सनातन वैष्णो परंपरा के अनुसार आश्रम के 106 वर्षीय महंत परमेश्वर दास ने कंठी चद्दर तिलक देकर के महंत बनाया इस दौरान अयोध्या के सभी संत महंत उपस्थित रहे। महंत रामदास रामायणी ने बताया कि गुरुदेव भगवान और संतों के आशीर्वाद से जो दायित्व हमें दिया गया है उसका शास्त्र संवत निर्वाह करना कठिन है महंत बनना बहुत आसान है लेकिन पालन करना कठिन है, मैं संत सेवा के साथ आश्रम में संचालित अष्टयाम सेवा का निर्वहन कर लूं यही प्रयास करूंगा सनातन वैष्णो धर्म का पालन और प्रचार प्रसार जीवन भर करता रहूं यही आशीर्वाद आज मैं उपस्थित संतो महंतों गुरुदेव भगवान से चाहता हूं। इस अवसर पर जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण, श्री राम वल्लभा कुंज के अधिकारी राजकुमार दास, महंत रामानंद दास, खाक चौक के श्री महंत बृजमोहन दास, महंत शत्रुघ्न दास महंत अजय दास, नव्य न्यायाचार्य तुलसी दास सहित सैकड़ो संतों महंतों कंठी चद्दर तिलक देकर महंत बनाया।

प्रत्याशियों के जनसभा एवं रैली की वीडियो से कराई जा रही निगरानी

संवाददाता–बलरामपुर। लोकसभा चुनाव में अवैध शराब व धनबल का प्रयोग न होने पाए इसके लिए प्रशासन ने 36 उड़नदस्ता, 42 स्थाई निगरानी टीम व प्रवर्तन एजेंसी को सक्रिय किया है। प्रत्याशियों के जनसभा एवं रैली आदि की वीडियो से निगरानी की जा रही है। निगरानी टीम सभी सीमाओं के चेक प्वाइंट पर नजर रख रही है। वाहनों की सघन जांच करते हुए चुनाव को प्रभावित करने वाली सामग्रियों पर भी रोक लगाया जा रहा है। उड़नदस्ता टीम अवैध शराब व नकदी की शिकायत मिलने पर 100 मिनट के अन्दर प्रभावी कार्रवाई कर रही है।

जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद सिंह ने बताया कि लोकसभा चुनाव को प्रलोभनमुक्त सम्पन्न कराने के लिए उड़नदस्ता टीम आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई कर रही है। जनपद के सभी सीमाओं के चेक प्वाइंट पर 36 स्थाई निगरानी टीम 24 घंटे नजर रख रही है। टीम वाहनों की सघन जांच करते हुए चुनाव को प्रभावित करने वाले सामग्रियों पर रोक लगाने में जुटी है। प्रत्याशियों के जनसभा एवं रैली की वीडियो निगरानी कराई जा रही है।

आदर्श आचार संहिता के प्रभावी होने के बाद आबकारी विभाग अभियान चलाकर धरपकड़ करते हुए अब तक 2571 लीटर अवैध शराब जब्त किया है। डीएम ने वन व पुलिस विभाग एवं अभिसूचना के सभी इकाइयों को निर्देशित किया है कि भारत–नेपाल अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर कड़ी चौकसी रखते हुए नार्कोटिक एवं ड्रग आदि का खरीद व बिक्री न हो यह सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव में धन–बल, अवैध मदिरा आदि का प्रयोग करके चुनाव की निष्पक्षता को प्रभावित करने वालों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मतदान केन्द्रों पर तैनात कार्मिकों व सुरक्षा बलों के स्वास्थ्य का ख्याल रखने के लिए मेडिकल टीम की तैनाती की जाएगी। तीन या तीन से अधिक बूथों वाले मतदान केन्द्रों पर कम्युनिटी ऑफिसर, दो या तीन स्थल वाले मतदेय केन्द्र पर एएनएम व एक बूथ वाले मतदान केन्द्र पर आशा की तैनाती होगी। मतदान केन्द्रों पर तैनात कार्मिकों, सुरक्षा बलों, माइक्रोआब्जर्वर, बीएलओ पर आकस्मिकता की स्थिति में तुरंत चिकित्सा सुविधा मिल सके, इसके लिए केन्द्रों को निकट के प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों से जोड़ा गया है। वहां पर तैनात चिकित्साधिकारी का मोबाइल नम्बर सभी मतदान कार्मिकों के पास उपलब्ध रहेगा ताकि इमरजेंसी की स्थिति में उनसे सम्पर्क कर चिकित्सा सेवा ली जा सके।

अभाविप ने लोगों को मतदान के बताया महत्व

संवाददाता–बलरामपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद संगठन की ओर से तुलसीपुर नगर में स्थित इंटर कॉलेजों में मंगलवार को मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत विद्यालयों में कार्यकर्ताओं ने पत्रक वितरित करने के उपरांत शिक्षकों से शत प्रतिशत मतदान कराने को लेकर चर्चा की। नगर अध्यक्ष विवेक कुमार ने सभी से मतदान करने की अपील की। नगर अध्यक्ष ने सभी अभिभावक व नगरवासियों को शत प्रतिशत मतदान करने को लेकर जागरूक करने की बात कही। कहा कि भारत देश विभिन्न कलाओं में दक्ष लोगों का देश रहा है। यहां की इमारतों की कलाकृतियां विश्व में रुचि का बिंदु रही है। सभी शिक्षकों ने शत प्रतिशत मतदान करने और समाज में विद्यालय से जुड़े हर मतदाता को जागरूक करने का प्रण लिया। प्रधानाचार्य अशोक पांडेय, एबी गुप्ता, वीके शुक्ला आदि ने कहा कि हम शत प्रतिशत मतदान करने के लिए सभी को जागरूक करेंगे और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगे। इस मौके पर नगर मंत्री राज अग्रहरी, सह मंत्री यश राज, शिव प्रताप व कार्यकारिणी सदस्य शाकिब आदि मौजूद रहे।

मतगणना स्थल पर समय से पूरी की जाएं सभी तैयारी

संवाददाता– गोंडा। लोकसभा चुनाव को लेकर शहर के नवीन गल्ला मंडी में मतगणना स्थल की चल रही तैयारियों का मंगलवार को डीएमडीईओ नेहा शर्मा ने मतगणना स्थल का निरीक्षण कर जानकारी ली है। डीएम ने निरीक्षण के दौरान मतगणना स्थल पर कराई जा रही बैरीकेडिंग व्यवस्था, साफ–सफाई, रोशनी के लिए पर्याप्त बिजली की व्यवस्था हो। डीएम ने कहा कि भीषण गर्मी में पेयजल और शौचालय के भी इंतजाम रहें। उन्होंने कहा कि मतगणना से पहले पूरी तैयारी कर ली जाए। कैम्पस में चारों तरफ से सीसीटीवी कैमरा आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त मात्रा में लगाए जायेंगे। डीएम ने कहा कि कड़ी सुरक्षा देखरेख के साथ–साथ सकुशल चुनाव के कार्यो को शांतिपूर्ण कराया जा सके। इसके लिए तैयारी पूरी कर ली जाएं।

अजगर ने बंदर व बिल्ली को बनाया निवाला

संवाददाता–श्रावस्ती। पूर्वी सोहेलवा वन क्षेत्र स्थित मुराउनपुरवा के पास अजगर को देख लोग हड़कम्प में आ गए। इस दौरान अजगर ने एक बिल्ली व बंदर को अपना निवाला बना लिया। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने घंटो जद्दोजहद के बाद अजगर को पकड़ने में सफलता पाई। पूर्वी सोहेलवा जंगल से निकलकर एक अजगर मंगलवार को सिरसिया थाना क्षेत्र के सिरसिया तुलसीपुर मार्ग स्थित मुराउनपुरवा गांव के पास पहुंच गया। अजगर ने सड़क किनारे बैठे एक बंदर को अपने जबड़े में भर लिया। बंदर के चीखने की आवाज सुनकर बगल में ही मकान बनवा रहे बंशी लाल सोनी मौके पर पहुंचे तो देखा कि पास के ही झाड़ में अजगर बंदर को निगल रहा था। शोर मचाने पर आस पास लोग व राहगीर मौके जमा हो गए। इस दौरान अजगर ने एक बिल्ली को भी अपना निवाला बना लिया। लोगों की ओर से सूचना पूर्वी सोहेलवा रेंज को दी गई। सूचना मिलने पर पूर्वी सोहेलवा रेंज के रेंजर अनिमेष वर्मा, वन दरोगा अखिलेश शर्मा, विवेक शुक्ला आदि के साथ मौके पर पहुंचे। वन विभाग की टीम ने घंटों मशक्कत कर अजगर को पकड़ लिया। इस दौरान अजगर ने बिल्ली को उगल दिया। वन विभाग की टीम ने अजगर को पकड़ कर सोहेलवा जंगल में ले जा कर छोड़ दिया।

महंत त्रिवेणी दास को संतों महंतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। सिद्ध पीठ श्रीसीताबल्लभ कुंज सत्संग सेवा समिति(अन्नक्षेत्र) श्रीबड़ेद्ध हनुमान मंदिर, जानकीघाट के साकेतवासी महंत त्रिवेणी दास महाराज को 24 वीं पुण्यतिथि पर शिद्दत से याद किया गया। मंगलवार को मंदिर परिसर में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई, जिसमें संत–महंतों ने पूर्वाचार्य के चित्रपट पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। संतों ने उनके कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश भी डाला। पुण्यतिथि महोत्सव को पीठ के वर्तमान पीठाधिपति महंत रामश्रेष्ठ दास रामायणी महाराज ने अपना संयोजन प्रदान किया। इस अवसर पर मठ के उत्तराधिकारी स्वामी छविराम दास ने बताया कि आश्रम में दादा गुरु त्रिवेणी दास महाराज की 24वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। पुण्यतिथि महोत्सव रामनगरी के सभी संत–महंत व विशिष्टजन सम्मिलित हुए। जिन्होंने दादा गुरु के चित्रपट पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। पूर्वाचार्य महंत भजनानंदी एवं अप्रतिम प्रतिभा के धनी संत थे। जो गौ और संत सेवी रहे। जिन्होंने आश्रम का सर्वांगीण विकास किया। आजीवन मठ की उत्तरोत्तर समृद्धि में लगे रहे। मंदिर में ठाकुरजी समेत गौ, संत, विद्यार्थी, अतिथि सेवा सुचारु रूप से चल रही है। सायंकाल श्रीसीताबल्लभ कुंज सत्संग सेवा समिति (अन्नक्षेत्र)की तरफ से ब्राह्मण, संत, विद्यार्थी एवं गरीबों को वस्त्र–दक्षिणा वितरित किया गया। वस्त्र–दक्षिणा पाकर सभी के चेहरे खुल उठे। पुण्यतिथि पर मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, श्रीरामवल्लभाकुंज अधिकारी स्वामी राजकुमार दास, महंत जन्मेजय शरण, महंत रामानंद दास, श्रीमहंत बृजमोहन दास, महंत अयोध्या दास, महंत रामप्रकाश दास, महंत डॉ. ममता शास्त्री, महंत सीताराम दास, महंत श्रीधर दास, महंत गिरीश दास, महंत भूषण दास, महंत अवनीश दास, महंत प्रशांत दास, महंत अवधेश दास, महंत उत्तम दास, महंत तुलसीदास, महंत रामजी शरण, महंत रामभिलन दास, आनंद शास्त्री आदि उपस्थित रहे।

नेपाल बॉर्डर पर पकड़ा गया चीनी नागरिक निकला पीएलए का जवान, अयोध्या की कर चुका है रेकी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भारत–नेपाल के लीलाडिहवा बार्डर पर पकड़ा गया चीनी नागरिक यूफे नाघो वहां का जासूस है। पुलिस की जांच में पता चला है कि वह पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) से जुड़ा है। कई दिनों से सिद्धार्थनगर, महराजगंज, बहराइच व अयोध्या की रेकी कर रहा था। मोहाना पुलिस व एसएसबी ने नौ मई की शाम छह बजे चीनी नागरिक यूफेनाघो को बिना वीजा व पासपोर्ट के पकड़ा था। उसने बताया कि वह चीन के जियांगशू, जियिंग काउंटी के सिबेई का रहने वाला है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया। उसके मोबाइल की छानबीन में चीन के पीएलए की वर्दी पहने फोटो मिली है। पुलिस का मानना है कि वह या तो पीएलए का जवान है या पहले रहा है। पुलिस का मानना है कि आमतौर पर ऐसे ही लोगों का प्रयोग जासूसी में होता है। नेपाल के लुंबिनी के जिस होटल में वह ठहरा था वहां भी पासपोर्ट की फोटोकापी ही मिली है। उसके मोबाइल के डाक्यूमेंट सिंक हो रहे हैं। पुलिस का यह भी मानना है कि वह अपने मोबाइल में जो भी फोटो व अन्य डाक्यूमेंट रखा है, उसे तत्काल चीन पहुंचा रहा है। यूफे नाघो पाकिस्तान व अफगानिस्तान भी जा चुका है। ऐसे में पुलिस ने आगे की कार्रवाई के लिए मामले को आईबी व एटीएस को सौंप दिया है। पुलिस का मानना है कि यूफेनाघो कई बार सिद्धार्थनगर, महराजगंज, बहराइच और अयोध्या जाकर वहां की रेकी कर चुका है। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने बताया कि चीनी नागरिक के मोबाइल की छानबीन में तमाम ऐसी जानकारियां मिली हैं जिनसे माना जा रहा है कि वह पीएलए का जवान रह हो। वह पहले भी भारतीय क्षेत्र में आ चुका है। इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि वह चीनी जासूस न हो। उसे समय से गिरफ्तार कर लिया गया। अन्यथा वह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हो सकता था।

नाती को पीटा तो दादी ने दर्ज कराया मुकदमा

संवाददाता–गोरखपुर। हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के बुदहट टोला सेमरी में पड़ोसियों ने बच्चों के विवाद में एक छोटे बच्चे को बुरी तरह पीट दिया। बच्चे की दादी ने हरपुर बुदहट थाने में पड़ोसी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बुदहट सेमरी निवासिनी माधुरी देवी पत्नी मेवालाल ने थाने में दिए तहरीर में बताया कि सोमवार को घर के पास बच्चे आपस में खेल रहे थे। इसी बीच बच्चों में कहासुनी के दौरान पड़ोसी प्रेमलता पत्नी जुगेश और उनके बच्चों ने मिलकर मेरे नाती अंश कुमार पुत्र गिरजेश को मारपीट कर घायल कर दिया। दरोगा तनवीर अहमद ने बताया कि आरोपित प्रेमलता पत्नी जुगेश पर मारपीट का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

गुलरिहा इलाके में कम्पोजिट विद्यालय का चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय फुलवरिया में सोमवार की रात ताला तोड़कर घुसे चोर काफी सामान उठा ले गए। सूचना पर पहुंची डायल 112 ने मौका मुआयना किया। विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यपिका इंदु सिंह ने थाने पर तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। प्रधानाध्यपिका ने बताया कि प्रतिदिन की तरह सोमवार को छुट्टी के बाद विद्यालय बंद करके सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं घर चले गए थे। मंगलवार की सुबह रसोइया ने फोन करके दरवाजा टूटने एवं चोरी होने की सूचना दी। स्कूल पहुंचकर उन्होंने देखा दो कमरों पर लगा ताला टूटा हुआ था। चोर मोटर, स्मार्ट सीपीयू, साउंड सिस्टम, खेल का सामान, बर्तन, रसोई गैस सिलेंडर के साथ ही अन्य सामग्री उठा ले गए। विद्यालय से सम्बंधित अभिलेख को भी नुकसान पहुंचाया गया है। प्रधानाध्यपिका ने पुलिस के साथ ही विभागीय अधिकारियों को भी पत्र देकर घटना से अवगत कराते हुए कार्यवाही की मांग की है।

मरीज के पर्चे पर राष्ट्रहित में मतदान अवश्य करें लिख वोट के लिए प्रेरित करें डाक्टर –डा. हर्षवर्धन

संवाददाता–गोरखपुर। लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत वोट के लिए समाज के सभी वर्गों को प्रेरित किया जा रहा है। इसी क्रम में आज पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन गोरखपुर पहुंचे। यहां चिकित्सक सम्मेलन में मौजूद डॉक्टरों को उनके साथ ही मरीजों और उनके परिजनों को वोट देने की बात कही। गोरखपुर महानगर के गोरखपुर क्लब में लोकसभा चुनाव के निमित्त आयोजित गोरखपुर सदर लोकसभा के चिकित्सक सम्मेलन में पधारे मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय चिकित्सा एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा सांसद डॉ हर्षवर्धन उपस्थित रहे। चिकित्सकीय सम्मेलन में कार्यक्रम का संयोजन व संचालन डॉक्टर वाई सिंह ने किया । कार्यक्रम में उपस्थित चिकित्सकगण को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने कहा कि चिकित्सक ऐसे समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं जो सीधे 75 फीसदी आबादी से जुड़े होते हैं और जिनके आचरण व्यवहार और दिशा निर्देशों से आम जनमानस प्रभावित होता है। विशिष्ट अतिथि डा.अभय मणि त्रिपाठी ने कहा कि पूरे प्रदेश के चिकित्सक अपने पर्चे पर "राष्ट्रहित में मतदान अवश्य करें" का मुहर लगाकर सभी मरीजों को वोट देने के लिए प्रेरित करें।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज पूरा भारत जनकल्याणकारी योजनाओं एवं चिकित्सा की उच्चीकृत सुविधाओं तथा निशुल्क चिकित्सा की आयुष्मान भारत की योजना के साथ आम जनमानस विगत वर्षों में

लाभान्वित हो रहा है। हम चिकित्सक बंधुओं को जरूरत है कि माननीय मोदी जी की जनकल्याणकारी नीतियों को पालन करते हुए जनता की सेवा कर उन्हें निरोगी जीवन जीने के लिए अपना सकारात्मक सहयोग प्रदान करें और केंद्र सरकार की नीति एवं रीतियों को उनके बीच साझा करें क्योंकि चिकित्सक समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के वाहक होते हैं।

चिकित्सक गण की भारी संख्या को देखते हुए डॉक्टर हर्षवर्धन ने चिकित्सक सम्मेलन के संयोजक डॉक्टर वाई सिंह की सराहना भी किया तथा उपस्थित चिकित्सक बंधुओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।चिकित्सा प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक डॉ वाई सिंह ने बताया कि जब से भाजपा की सरकार है चिकित्सक एक सुरक्षित माहौल में कार्य कर पा रहे हैं

कार्यक्रम में विशिष्ट अथिति के रूप में क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय , प्रदेश संयोजक चिकित्सा प्रकोष्ठ डॉ अभय मणि त्रिपाठी ,महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव,महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता , डॉ असीम कुमार (विधायक), विपिन सिंह (विधायक), डॉ डीके , डॉ अमित सिंह श्रीनेत्र, डॉ स्मिता जायसवाल, डॉ आरपी त्रिपाठी , डॉअमित सिंह, डॉ जेपी नारायण, डॉ वी के गौड़, डॉ अमित श्रीवास्तव ,डॉ बबीता शुक्ला,डॉ एसके लाट, डॉ राजकुमार सिंह श्रीनेत,डॉ अमित कुमार पांडे, डॉ डॉ अनुराग श्रीवास्तव ,डॉ राजकुमार सिंह ,डॉ एमके गुप्ता,डॉ दिनेश चंद्र, डॉ शर्मिला पोद्दार, डॉ सूरज जायसवाल, डॉ अनुभा गुप्ता,डॉ अमित श्रीवास्तव, डॉ आर पी शुक्ला ,डॉ एसएन तिवारी ,डा.अश्वनी मिश्रा,डॉ शिव शंकर शाही, डॉ प्रतिभा गुप्ता, डॉ विवेक सेठ, डॉ आर पी गुप्ता ,डॉ शिव शंकर शाही ,डॉ आर पी शुक्ला,डॉ चौन कोवई, डॉ ए एन शर्मा ,डॉ अजय श्रीवास्तव , डॉ प्रतिभा गुप्ता ,डॉ अनूप दुबे , डॉ राहुल श्रीवास्तव, डॉक्टर के सी मिश्र, डॉ ओंकार राय, एससी वैस समेत लगभग 550 चिकित्सक उपस्थित रहे।

हत्या के आरोपी को उम्रकैद की सजा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। एडीजे फर्स्ट मोहम्मद रफी ने हत्या के एक आरोपी को मंगलवार को उम्रकैद की सजा सुनाई। आरोपी पर 30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। मोहाना थाना क्षेत्र के पननी गांव निवासी संजय पुत्र किशोर के खिलाफ हत्या का मामला 2023 में दर्ज हुआ था। गवाहों के बयान, मिले सबूतों के आधार पर एडीजे फर्स्ट मोहम्मद रफी ने आरोप सही पाए जाने पर आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। उन्होंने आरोपी पर 30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। शासन की ओर से पैरवी सहायक शासकीय अधिवक्ता फौजदारी संतोष कुमार मिश्र ने की।

गोरखपुर से अयोध्या तक सुरक्षित होगी यात्रा, स्क्रीन पर दिखेगी हर गतिविधि

संवाददाता–गोरखपुर। एनएचएआई ने गोरखपुर–लखनऊ हाईवे पर सीसीटीवी कैमरे और विजुअल साइन बोर्ड लगाने के लिए सर्वे शुरू कराया है। पहले चरण में गोरखपुर से अयोध्या तक सीसीटीवी कैमरे और बोर्ड लगाने की योजना है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। गोरखपुर में भी श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है। इस कारण गोरक्षनगरी से रामनगरी तक 137 किमी सड़क मार्ग की यात्रा को और बेहतर बनाने की पहल की जा रही है। सर्वे रिपोर्ट में पता चलेगा कि कितने कैमरे लगाने होंगे और कितना खर्च आएगा। इसके बाद कैमरे लगाकर हादसों पर नियंत्रण करने का कार्य किया जाएगा।

हाईवे पर जगह–जगह विजुअल साइन बोर्ड लगाए जाएंगे। वाहन चालकों को बोर्ड से जानकारी मिलेगी कि कौन सी सतर्कता बरतनी है। इस बोर्ड के जरिए चालकों को बारिश, कोहरा, आंधी–तूफान या ओले गिरने की चेतावनी देकर सतर्क किया जा सकेगा। सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने के बाद निर्धारित मानक से अधिक गति से चलने वाले वाहनों की रिपोर्ट तैयार होगी और ऑनलाइन माध्यम से ही उनका चालान हो जाएगा। ऐसी कार्रवाई से लोग मानकों पर ध्यान देंगे। इससे हादसों में कमी आएगी।

सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने से हाईवे पर अवैध कट बनाने वाले कैमरे में कैद हो जाएंगे और उनके खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने और सरकारी संपत्ति को क्षति पहुंचाने के मामले में कानूनी कार्रवाई की जा सकेगी। इसके साथ ही यह पता चलेगा कि अवैध कट से हर दिन कितने लोग सड़क के नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। साथ ही कोई हादसा होने पर वीडियो के माध्यम से पता चल जाएगा कि गलती किसकी थी। इसके साथ ही साक्ष्य के आधार पर न्याय में मदद मिलेगी।

एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर ललित प्रताप पाल ने बताया की गोरखपुर–लखनऊ हाईवे पर सीसीटीवी कैमरे और विजुअल साइन बोर्ड लगाने के लिए सर्वे शुरू कराया गया है। पहले चरण में गोरखपुर से अयोध्या तक ये कार्य किए जाएंगे। इससे हादसे रोकने में मदद मिलेगी।

युवती को अगवा कर ले गया देवरिया का युवक, मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोरखपुर। हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के एक गांव की 19 वर्षीय युवती को देवरिया जिले का एक युवक बहला–फुसला कर अगवा कर ले गया। युवती के पिता ने आरोपी युवक के खिलाफ हरपुर बुदहट थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। हरपुर बुदहट पुलिस को दिए तहरीर में युवती के पिता ने बताया कि देवरिया जिले का रहने वाला युवक राजन मद्देशिया मेरी लड़की से फोन पर बातचीत किया करता था। बीते 9 मई को वह मेरी लड़की को बहला–फुसला कर अगवा कर ले गया। हर जगह तलाश करने के बाद मोबाइल नम्बर से पता चला कि आरोपी राजन ही उसको अपने साथ लेकर गया है। हरपुर बुदहट पुलिस ने मंगलवार को पीड़ित के पिता की तहरीर पर राजन के खिलाफ केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

प्रेमी जोड़ा समझ भाई–बहन को पांच किमी तक छेड़ते रहे दबंग

संवाददाता–गोरखपुर। जिले के गुलरिहा क्षेत्र में एक बहन अपने भाई के साथ इलाज कराकर बाइक से घर जा रही थी। इस बीच प्रेमी युगल कहकर चार शोहदे उनके पीछे पड़ गए। पांच किमी तक पीछा कर रास्ते भर युवती को छेड़ते रहे। इस दौरान पीड़िता उनसे कहती रही, हम भाई–बहन है, मगर शोहदों ने उसकी एक न सुनी। गांव के पास पहुंचकर भाई ने आसपास के लोगों से मदद मांगी, जिसपर लोगों ने एक आरोपी को पकड़ लिया। जबकि तीन शोहदे भागने में कामयाब रहे। पुलिस केस दर्ज कर उनकी तलाश में जुट गई है।

क्षेत्र के एक गांव की युवती अपने भाई के साथ महराजगंज चौराहे पर दांत का इलाज करने गई थी। लौटते समय चिलुआताल पुल से दो बाइक पर सवार चार शोहदे उनका पीछा करने लगे। पांच किलोमीटर तक आरोपी युवती के साथ छेड़खानी करते रहे। आरोपितों ने रास्ते में बाइक खड़ी करके भाई–बहनों को रोकने का भी प्रयास किया। किसी तरह दोनों अपने गांव के पास ईंट–भट्ठे पर पहुंचे। आरोपितों ने बाइक लड़ाकर दोनों को गिरा दिया। भाई ने भट्ठा मजदूरों से मदद मांगी, जिसके बाद तीन शोहदे गाली और धमकी देते हुए भाग निकले, जबकि एक को लोगों ने पकड़ लिया। पकड़े गए युवक की पहचान जितेंद्र पुत्र मोलहू के रूप में हुई। पीड़िता की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस ने एक नामजद सहित चार के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपियों की बाइक कब्जे में लेकर पकड़े गए युवक का शांति भंग में चालान किया है। साथ ही अन्य तीन की तलाश कर रही है।

व्यापारी के पुत्र का गोदाम में लटकता मिला शव

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के महुली थाना क्षेत्र के नगर पंचायत हरिहरपुर गांधीनगर मोहल्ला निवासी एक व्यापारी का तीस वर्षीय बेटा अपने गोदाम में सोमवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में झूलता हुआ मिला। सूचना पर पहुंचे परिजन आनन–फानन में स्थानीय अस्पताल से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों उसके मौत होने की पुष्टि कर दी है। इस मामले में परिजन मृतक के दोस्तों पर हत्या करने की आशंका व्यक्त कर रहे हैं। पुलिस भी मामले की छानबीन में जुट गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत होने की असली वजह स्पष्ट हो सकेगी। शव मिलने की सूचना से क्षेत्र में हड़कम्प मच गया।

नगर पंचायत हरिहरपुर के वार्ड नम्बर नौ गांधी नगर मोहल्ला के निवासी मुराली लाल गुप्ता व्यापारी हैं।

किराना दुकान चलाने के साथ कोल्ड ड्रिंक की एजेंसी ली है। जिसका गोदाम उन्होंने जलकल आफिस के बगल में बनाया है। सोमवार देर शाम उनका बड़ा बेटा सूरज गुप्ता (30) रोज की भांति थोड़ी दूर स्थित जलकल ऑफिस बगल अपने गोदाम पहुंचा। करीब दस बजे परिजनों को जानकारी मिली कि गोदाम के अंदर टीनशेड पाइप से रस्सी के फंदे से सूरज गुप्ता लटक रहा है। आनन–फानन में उपचार के लिए एक निजी अस्पताल लेकर गए। चिकित्सक के परामर्श के बाद जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने सूरज गुप्ता को मृत घोषित कर दिया। परिजन हत्या होने की आशंका व्यक्त कर रहे हैं। मृतक के साथियों का हाथ होने की बात कह रहे हैं। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

टहलने गए किशोर की ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के बखिरा थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह नंदौर के पास ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से एक किशोर की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। क्षेत्र के नन्दौर निवासी अधिवक्ता संजय कुमार का बेटा अपूर्व (15) खेत की तरफ गया था। वहां से वापस आते समय सुबह लगभग छह बजे एक ट्रैक्टर–ट्राली की चपेट में आ गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। वहां उसकी मौत हो गई। वह कक्षा नौंवी का छात्र था। दो भाइयों में बड़ा था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 28/2023
इन्द्रजीत
बनाम
नागेन्द्र भाष्कर पटेल आदि

1. नागेन्द्र भाष्कर पटेल पुत्र स्व0 राम अनुज 2. श्रीमती बीना देवी पत्नी स्व0 राम अनुज साकिनान मौजा गौहनिया तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती
3. रामजी वर्मा 4. रामरेख 5. राम स्वरूप पुत्रगण परमेश्वर 6. अशोक कुमार पुत्र रामरक्षा 7. श्रीमती विद्यावती पत्नी रामरक्षा 8. विश्वराज 9. राम प्रकाश पुत्रगण बलेसर साकिनान मौजा गौहनिया तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती 10. नन्दनी वर्मा 11. प्रिया वर्मा पुत्रीगण स्व0 राम अनुज 12. आचल उम्र लगभग 13 वर्ष नावालिग पुत्र स्व0 राम अनुज ववलायत माता हकीकी श्रीमती बीना देवी स्वयं साकिनान मौजा गौहनिया तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती 13. श्रीमती गीता देवी पत्नी विश्वराज साकिन मौजा गौहनिया तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 23–07–2024

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 23 माह 07 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

निर्वाचन कार्य अतिमहत्वपूर्ण, सावधानी से करें काम

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। निर्वाचन का कार्य अति महत्वपूर्ण एवं समयबद्ध है। इसे सावधानी पूर्वक एवं समय से पूर्ण करना सबकी जिम्मेदारी है। इस कार्य में किसी भी स्तर पर शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। ये चेतावनी एसडीएम डॉ. ललित कुमार मिश्र ने दी। एसडीएम ने बताया कि जिले में मतदान 25 मई को है। कपिलवस्तु विधानसभा में कुल 501 बूथों के लिए मतदाता सूची का प्रत्येक पेज को चेक किया जा रहा है। कही मिस प्रिंट तो नहीं है। अगर किसी प्रकार की त्रुटि है तो उसे दुरुस्त किया जा रहा है। छह सेट मिलान कर वर्किंग कापी तैयार की जा रही है। हर पेज पर एआरओ के हस्ताक्षर का मोहर लगाया जा रहा है।

मुख्य पृष्ठ पर महिला एवं पुरुष मतदाताओं की संख्या लिखी जा रही है। यही दुरुस्त मतदाता सूची को पीठासीन अधिकारी बूथों पर मतदान के लिए लेकर जाएंगे। इस अवसर तहसीलदार एवं एईआरओ पीयूष श्रीवास्तव, विजय श्रीवास्तव, माधुर्य यादव, नवीन श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक शीतल द्विवेदी, राजेश गुप्त, अब्दुल गफ्फार, गयादीन मौर्य, अरुण श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

विश्व हिंदू परिषद के तत्वाधान में निकली मतदाता जागरूकता संत यात्रा

संवाददाता–गोरखपुर। विश्व हिंदू परिषद गोरक्ष प्रांत के तत्वाधान में गोरखपुर महानगर के विभिन्न हिस्सों में मतदाता जागरूकता संत यात्रा का शुभारंभ हुआ। यात्रा का शुभारंभ यात्रा में सम्मिलित संतो को माल्यार्पण कर एवं पटका पहनकर पदाधिकारी द्वारा किया गया, तत्पश्चात यात्रा में सम्मिलित संतों ने आम जनमानस से संपर्क कर उनको प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि वह स्वयं सारे काम छोड़कर पहले मतदान करें तत्पश्चात पड़ोस के लोगों को मतदान के लिए ले जाएं। जो व्यक्ति मतदान स्थल तक जाने में असमर्थ हैं उनका आपसी सहयोग से मतदान स्थल तक ले जाएं। संतो ने मतदान करने के लिए अपील की उन्होंने कहा यह मतदान ड्च के साथ च्ड के चुनाव का भी है अतः हम सबको बड़ी गंभीरता से अपने वोट का इस्तेमाल करना चाहिए।

यात्रा में सम्मिलित दिव्य ज्योति जागृत संस्थान के संत कमल महात्मा एवं प्राचीन हनुमानगढ़ के महंत अमित कमल दास महाराज ने संयुक्त रूप से कहा कि मतदान महत्वपूर्ण है क्योंकि यह लोगों के लिए अपनी सरकार में अपनी बात कहने और अपने हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकारियों को चुनने का एक तरीका है। यह लोगों के लिए अपनी सरकार को जवाबदेह ठहराने का एक तरीका भी है। मतदान लोगों को उन निर्णयों में अपनी बात रखने का अधिकार देता है जो उनके जीवन को प्रभावित करते हैं। विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री राजेश ने कहा कि मतदान मौलिक अधिकार होने के साथ–साथ हमारे लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। जब लोग वोट नहीं देते हैं, तो वे प्रभावी रूप से खुद को चुप करा रहे होते हैं और वोट देने वालों को सत्ता सौंप रहे होते हैं। इससे गलत निर्णय लिए जा सकते हैं जिसका असर हर किसी पर पड़ेगा, यहां तक घ्कि उन लोगों पर भी जिन्होंने वोट नहीं दिया था।

आज भारत का राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जो परिवर्तन सामने आया है वह सब हम लोग के वोटो के अधिकार और मतदान की वजह से संभव पाया है अतः भारत को अगर विश्व गुरु बनाना है तो हमें पुनः ऐसी शक्तियों के लिए मतदान करना होगा जो राष्ट्र, धर्म और अंतिम व्यक्ति के कल्याण तक कार्य करें। यात्रा के संयोजक दुर्गेश त्रिपाठी ने कहा कि मतदाता जागरूकता यात्रा विश्व हिंदू परिषद गोरक्ष प्रांत के सभी 21 जिलों में प्रखंड स्तर तक जा रही जहां पर संतों द्वारा व्यक्ति व्यक्ति से संपर्क कर और छोटी–छोटी सभा करके सब को सपरिवार मतदान के लिए आग्रह किया जा रहा है और उनसे एक निवेदन किया जा रहा है कि छोड़कर सारे अपने काम, सबसे पहले करो मतदान उन्होंने आगे बताया कि जहां भी मतदान हो चुके हैं वहां पर संतों की यात्रा से बहुत व्यापक प्रभाव देखने को मिला है। यात्रा में मुख्य रूप से सम्मिलित संतों में संत कमल महाराज हनुमान गाड़ी के महंत अमित कमल दास जी पंचमुखी हनुमान मंदिर के शनि बाबा,अवनीश पांडे ,केशव दास , रितेश दुबे ,विनोद कुमार पांडे, चंद्रभान दास आदि सम्मिलित रहे। यात्रा में सहयोगी की भूमिका में चलने वालों में डॉ डीके सिंह, सूर्यनाथ सिंह, विष्णु प्रताप, अनूप शुक्ला, शीतल मिश्र देवीलाल गुप्ता, राहुल गुप्ता ,धीरज ओझा ,अरविंद त्रिपाठी ,धनंजय सिंह ,अनिल मद्धेशिया ,विनोद यादव आदि सम्मिलित रहे।

ग्राम प्रधान व सचिव पर 12.48 लाख हड़पने का मुकदमा

संवाददाता–गोरखपुर। सिविल जज सीनियर डिवीजन के आदेश पर झंगहा पुलिस ने ब्रम्हपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत विश्वनाथपुर के ग्राम प्रधान विष्णु मौर्या, तत्कालीन पंचायत सचिव व अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विश्वनाथपुर निवासी भृगुनाथ सिंह ईंट–भट्ठा चलाते हैं। ग्राम प्रधान विष्णु मौर्या व तत्कालीन पंचायत सचिव के कहने पर उन्होंने ग्राम पंचायत में कई जगह ईंट व राबिस आदि गिराया। जिसका कुल 20.45 लाख रुपए हिसाब हुआ था। जिसके सापेक्ष 14 लाख 84 हजार 384 रुपये का भुगतान ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव ने आरटीजीएस के जरिए किया था।

इसके अलावा अलग तिथियों में कुल 6 लाख 87 हजार 764 रुपए उनसे लिया। अलग–अलग तिथियों में लिया गया 6.87 लाख रुपए, ईंट व राबिस मद में बकाया 5 लाख 60 हजार 666 रुपये यानी कुल 12 लाख 48 हजार 430 रुपए हड़प लिया है। मांगने पर गाली गलौज व धमकी देते हैं। पुलिस से लगातार शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर केस दर्ज कर विवेचना का आदेश दिया।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मु0नं0 809/91
छोटेलाल
बनाम
रामजस

1/1 रामनरेश 1/2 परमात्मा पुत्रगण रामजस 1/3 मु0 किसलावती बेवा राम सुरेश 1/4 सुनील कुमार /5 सोनू कुमार पुत्रगण राम सुरेश साकिनान मौजा पटवरिया तप्पा बखिरा परगना मगहर पूरव तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 15–05–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 15 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती जिला बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 88/2023
मोहम्मद रईस
बनाम
श्रीमती बुशरा आदि

1. श्रीमती बुशरा पत्नी ओम प्रकाश उर्फ नूरूल्लाह 2. ओम प्रकाश उर्फ नूरूल्लाह पुत्र काशी प्रसाद निवासीगण पक्का बाजार गांधी नगर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 23–07–2024

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 23 माह 07 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com